माघ शुक्ल पक्ष - प्रतिपदा, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 196 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
19 जनवरी 2026 सोमवार

आज का मौसम
27.7 अधिकतम
10.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

किश्तवाड़ में आतंकियों और सेना के बीच मुठभेड़ जारी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा में सुरक्षाबलों और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से हुई भारी गोलीबारी 8 जवान घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं, दूसरी तरफ सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि रात भर रुकने के बाद, सुरक्षाबलों ने सुबह जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे होने की संदेह पर सर्च ऑपरेशन फिर से शुरू कर दिया। ऑपरेशन रविवार को चतरू बेल्ट में मंदराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था।

दिल्ली में भूकंप से कांपी धरती, नुकसान नहीं

नईदिल्ली। भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में बीते कुछ समय से भूकंप की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस बीच अब भारत की राजधानी दिल्ली में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में भूकंप आज सुबह 8 बजकर 44 मिनट पर आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.8 मापी गई है। इस भूकंप का केद्र उत्तरी दिल्ली में धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के कारण अब तक किसी तरह से जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।

चीन की स्टील फैक्ट्री में धमाका, 2 की मौत

बीजिंग। चीन में बीते दिन स्टील फैक्ट्री में भयानक ब्लास्ट देखने को मिला था, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई और 84 लोग घायल हैं। इस धमाके के बाद चीनी पुलिस एक्शन में आ गई। पुलिस ने इनर मंगोलिया क्षेत्र में एक स्टील फैक्ट्री के कई लोगों को हिरासत में ले लिया है। धमाके के बाद फैक्ट्री में मौजूद आठ अन्य लोग अभी भी लापता हैं। चीन के बाओटो प्रशासन के अनुसार, स्टील फैक्ट्री में उबलते पानी और भाप के लिए एक स्टोरेज टैंक बनाया था, जिसमें अचानक ब्लास्ट हो गया। ये धमाका बाओटो स्थित बाओगांग यूनाइटेड स्टील प्लांट में हुआ। धमाका इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्रों में हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गंगा स्नान को लेकर अड़े

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का अनशन दूसरे दिन भी जारी है। वह रविवार दोपहर से ही अपने शिविर में अनशन पर बैठे हुए हैं और लगातार प्रशासन से गंगा स्नान को लेकर अपनी मांग पर अड़े हैं। शंकराचार्य की मांग है कि पुलिस और प्रशासन उन्हें पूरे प्रोटोकॉल के साथ संगम नोज तक ले जाकर गंगा स्नान कराए। इसी मुद्दे को लेकर आज अपने शिविर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी बात रखेंगे। दरअसल, मौनी अमावस्या के दिन पालकी और अपने शिष्यों व भक्तों के साथ संगम में स्नान की अनुमति न मिलने पर विवाद हुआ था।

आज का कार्टून

नए मुखिया का नामांकन दाखिल कराने के लिए सभी दिग्गज नेता पहुंचे भाजपा मुख्यालय

निर्विरोध चुने जाने की संभावना, 26 की उम्र में जीता था विधायक का पहला चुनाव

भाजपा को मिलेगा सबसे युवा अध्यक्ष नबीन के नाम पर आज लगेगी मुहर

नईदिल्ली, एजेंसी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन आज नामांकन दाखिल कर रहे हैं। उनके निर्विरोध सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बनने की संभावना है। माना जा रहा है कि इसका औपचारिक ऐलान कल 20 जनवरी को होग। नबीन के नामांकन के लिए लिए सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और सभी दिग्गज नेता पार्टी मुख्यालय पहुंच गए हैं। निर्वाचक नामावली का प्रकाशन का दिया गया है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चार बजे नामांकन पत्रों की जांच के बाद पार्टी की ओर से आधिकारिक जानकारी के लिए शाम 6 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस हो सकती है।

पार्टी सूत्रों ने का कहना है कि भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन के पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने जाने की संभावना पूरी है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित पार्टी नेतृत्व इस पद के लिए उनकी उम्मीदवारी का समर्थन कर रहा है। भाजपा के संविधान के अनुसार, किसी राज्य के निर्वाचक मंडल के कोई भी 20 सदस्य संयुक्त रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए ऐसे व्यक्ति का नाम प्रस्तावित कर सकते हैं, जो चार कार्यकाल तक सक्रिय सदस्य रहा हो और जिसकी सदस्यता के पंद्रह वर्ष पूरे हो चुके हों। ऐसा संयुक्त प्रस्ताव कम से कम पांच राज्यों से आना चाहिए जहां राष्ट्रीय परिषद के लिए चुनाव संपन्न हो चुके हैं। पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन अधिकारी के. लक्ष्मण ने कहा है कि जरूरत पड़ने पर 20 जनवरी को मतदान होगा , लेकिन इसकी संभावना न के बराबर है।

फाइल

लो प्रोफाइल नेता की छवि : नितिन नबीन भले ही एक लो-प्रोफाइल नेता माने जाते हों, लेकिन वे राजनीति में नए नहीं हैं। वर्ष 2021 से वे बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के एक्स-ऑफिशियो सदस्य रहे हैं और मध्य भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के प्रभारी भी रहे हैं। उन्हें नीतीश कुमार सरकार में मंत्री बनाया गया था, लेकिन 2022 में नीतीश कुमार के बीजेपी से अलग होने के बाद उनका यह कार्यकाल छोटा रह गया। इसके बाद नबीन ने अपना अधिक समय छत्तीसगढ़ की राजनीतिक जिम्मेदारियों पर लगाया। अन्य कई भाजपा नेताओं की तरह, नबीन ने भी राजनीति की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी। उनके पिता नवीन किशोर सिन्हा भी संघ परिवार की विचारधारा से आते थे।

अब संगठन - सरकार में अहम बदलाव के आसार

मिशन 2029 के तहत युवा चेहरों पर दांव लगा सकती है सबसे बड़ी पार्टी

नितिन नबीन के पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के साथ ही संगठन से लेकर मोदी सरकार तक में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो सकती है। नितिन सबसे कम उम्र में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाले दल का जिम्मा संभाल रहे हैं तो यह संकेत भी साफ है कि पार्टी 2029 और उससे आगे की राजनीति के हिसाब से भी अपनी रणनीति तय करना चाहेगी। मतलब, जब भी हो इनमें ज्यादा से ज्यादा युवा चेहरों को जगह मिलना तय है और इसी तरह का बदलाव मोदी सरकार में भी देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार नितिन नबीन की नई टीम में पार्टी के ज्यादातर पदाधिकारियों की उम्र 55 वर्ष से कम हो सकती है। मतलब, जिस तरह से पार्टी ने अचानक एक युवा चेहरे को पार्टी की कमान सौंपी है, उसी हिसाब से उनकी नई टीम में युवा नेताओं को भी राष्ट्रीय स्तर पर बड़े रोल में देखा जा सकता है। यह वो टीम हो सकती है, जिसे लेकर पार्टी 2029 और उसके आगे के चुनावों में उतरना चाहेगी। ये युवा चेहरे पार्टी को जहां नया जुझारू तेवर देने में मदद कर सकते हैं, वहीं इनके माध्यम से दूरगामी राजनीतिक संदेश देने की भी कोशिश रहेगी। नई टीम में ज्यादातर ऐसे नेताओं को प्राथमिकता मिल सकती है, जो बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा में तप कर उभरे हों। हालांकि अभी कहा नहीं जा सकता कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल कब होगा, लेकिन, सच्चाई ये है कि मोदी सरकार में अभी जितने मंत्री हैं, उनमें 34 मंत्री 2021 से ही बने हुए हैं। इनमें से 19 तो कैबिनेट मंत्री हैं। रिपोर्ट के अनुसार मोदी 3.0 के भी कुछ महीनों में दो साल होने को हैं। ऐसे में मंत्रियों की परफॉर्मेंस और उनके कार्यों में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है। साफ़ है कि सरकार में अगर कुछ नए युवा चेहरों को लाया जाता है तो कुछ चेहरे संगठन में भी शिफ्ट हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी संगठन में बदलाव के बाद ही मंत्रिपरिषद में बदलाव का आधार तैयार हो सकता है।

आर्थिक नीतियों पर मंथन के लिए दावोस में दिग्गजों का जमावड़ा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक आज से स्विटजरलैंड के दावोस में शुरू हो रही है। इस पांच दिवसीय आयोजन में दुनिया भर के नेता, उद्योगपति, शिक्षाविद, समाज और श्रम संघों के 3,000 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंत्रिमंडल के पांच सदस्यों के साथ बैठक में शामिल होंगे। भारत से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित चार केंद्रीय मंत्री और छह मुख्यमंत्री शामिल हो रहे हैं। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी आज दावोस के लिए रवाना होंगे।

भारतीय दल में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू शामिल होंगे। जो अन्य मुख्यमंत्री पहुंच रहे हैं उनमें महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन. चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत बिस्वा सरमा, तेलंगाना के ए. रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन शामिल हैं। इसके अलावा गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष रमेशभाई संघवी और उत्तर प्रदेश का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी दावोस पहुंचेंगे। भारतीय प्रतिनिधि समूह कई चर्चाओं में हिस्सा लेंगे।

प्रमुख कंपनियों के सीईओ भी कर रहे हैं हिस्सेदारी

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी भी अलायंस फॉर ग्लोबल गुड : जेंडर इक्विटी एंड इक्वालिटी की संस्थापक और चेयरपर्सन के रूप में बैठक में मौजूद रहेंगी। इस बैठक में भारत की प्रमुख कंपनियों के सीईओ भी शामिल हैं, जिनमें मुकेश अंबानी (रिलायंस इंडस्ट्रीज), एन. चंद्रशेखरन (टाटा समूह), संजीव बजाज (बजाज समूह), हरि एस भरतिया (जुबिलेंट भरतिया ग्रुप) और सुदर्शन वेणु (टीवीएस मोटर) शामिल हैं।

मचाडो ने ट्रम्प को दे दिया था अपना अवार्ड... आई तीखी प्रतिक्रिया

स्वीडिश एकेडमी ने कहा -बांटने की चीज नहीं नोबेल

कोपेनहेगन. एजेंसी

वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक भेंट करने पर रॉयल स्वीडिश एकेडमी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। एकेडमी ने कहा है कि नोबेल पुरस्कार और पुरस्कार विजेता अविभाज्य हैं, इन्हें बांटा नहीं जा सकता। एकेडमी ने यह भी कहा कि पदक या डिप्लोमा भले ही किसी और के पास चला जाए, लेकिन इससे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता का नाम नहीं बदलता है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ने एक बयान जारी कर कहा इतिहास में पुरस्कार प्राप्तकर्ता के रूप में मूल विजेता का ही नाम दर्ज रहता है। भले ही पदक या डिप्लोमा बाद में किसी और के पास चला जाए, इससे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता का नाम नहीं बदलता। बयान में आगे कहा गया, पुरस्कार विजेता न तो इसे किसी और के साथ शेयर कर सकता है और न ही घोषणा होने के बाद इसे किसी और को ट्रांसफर कर सकता है। नोबेल शांति पुरस्कार कभी रद्द नहीं किया जा सकता। यह निर्णय अंतिम है और सर्वकालिक लागू होता है। नॉर्वे की नोबेल समिति शांति पुरस्कार विजेताओं या उनके द्वारा की जा रही राजनीतिक प्रक्रियाओं पर दिन-प्रतिदिन टिप्पणी करना अपना कर्तव्य नहीं मानती है। यह पुरस्कार समिति के निर्णय लेने के समय तक विजेता के योगदान के आधार पर दिया जाता है।

चांदी का रिकॉर्ड...3 लाख रु. प्रति किलो

सोना भी ऑलटाइम हाई पर

मुंबई, एजेंसी

नई दिल्ली सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट को लेकर लगाए जा रहे तमाम अनुमान गलत साबित होते नजर आ रहे हैं। दोनों कीमती धातुएं लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज चांदी ने बाजार खुलते ही जबरदस्त उछाल दिखाया और एक किलो चांदी की कीमत इतिहास में पहली बार तीन लाख रुपये के पार पहुंच गई। इसके दाम 3 लाख एक हजार 315 रुपए प्रति किलो रिकॉर्ड किए गए। वहीं सोने भी तेज उछाल के साथ एक झटके में करीब 3,000 महंगा हो गया। यह 1,45,500 प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। साल की शुरुआत से अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1,35,804 थी। मौजूदा स्तर के हिसाब से अब तक सोना 9,696 प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर टैरिफ धमकी से वैश्विक स्तर पर जियो पॉलिटिकल तनाव बढ़ा है इसी अनिश्चितता के माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

पब्लिसिटी के लिए दायर न करें याचिका : कोर्ट

नई दिल्ली। सीजेआई सूर्यकांत ने न्यायिक सुधारों के लिए एक कमिटी बनाने, हर केस को 12 महीने में निपटाने और कुछ खास तरह के मामलों की जांच जैसी मांगें करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। सीजेआई ने इसे 'पब्लिसिटी-सीकिंग' यानी प्रचार के लिए दाखिल की गई याचिका बताया और कहा कि ऐसे मामलों में अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाना चाहिए।

मेट्रो एंकर

उमर खालिद के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ का बड़ा बयान

जुर्म साबित होने से पहले आरोपी को जमानत मिलनी ही चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद की जमानत सुप्रीम कोर्ट से नामंजूर किए जाने के बाद अब इस पर पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ का बड़ा बयान सामने आया है। पूर्व सीजेआई ने उमर खालिद जैसे मामलों का हवाला देते हुए कहा कि बिना मुकदमे के लंबी जेल की सजा संवैधानिक न्याय को कमजोर करती है और जमानत की मांग करती है।

जयपुर में एक कार्यक्रम में पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि दोष सिद्धि से पहले जमानत प्राप्त करना एक नागरिक का अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिन मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे शामिल हों, उनमें इस प्रकार की राहत देने से पूर्व मामले की गहराई पड़ताल की जानी चाहिए।

जमानत अपवाद नहीं, नियम

उमर खालिद के मामले में डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, वे पांच साल से जेल में हैं। मैं अपने न्यायालय की आलोचना नहीं कर रहा हूं, जमानत की शर्तों का दुरुपयोग रोकने के लिए आप शर्तें लगा सकते हैं, लेकिन आपको यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि उन्हें शीघ्र सुनवाई का अधिकार है। यदि वर्तमान परिस्थितियों में शीघ्र सुनवाई संभव नहीं है, तो जमानत अपवाद नहीं बल्कि नियम होना चाहिए। उन्होंने कहा, कि मेरे 24 महीनों के कार्यकाल में, हमने 21,000 जमानत याचिकाओं का निपटारा किया है। ऐसे कई मामले होते हैं जिनके बारे में लोग सुप्रीम कोर्ट की किसी विशेष मामले में जमानत न देने के लिए आलोचना करते समय नहीं सोचते। पूर्व न्यायमूर्ति ने विभिन्न मामलों का उदाहरण देते हुए कहा, अगर आरोपी के समाज में लौट कर फिर से अपराध को अंजाम देने, सबूतों से छेड़छाड़ करने या जमानत का फायदा लेकर कानून के शिकंजे से भाग निकलने के लिए किए जाने की आशंका है तो आरोपी को जमानत देने से इंकार किया जा सकता है।

न्यायाधीशों को सताता है डर

भारतीय आपराधिक न्याय प्रक्रिया में मामलों के निपटारे में देरी पर चिंता जाहिर करने के साथ ही उन्होंने कहा कि देश का संविधान सर्वोच्च कानून है और मामले में कोई ठोस अपवाद नहीं है तथा त्वरित सुनवाई में देरी है, तो आरोपी जमानत का अधिकारी है। सत्र और जिला अदालतों द्वारा जमानत नहीं दिए जाने को पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने चिंता का विषय बताया और कहा कि प्राधिकार के प्रति अविश्वास बढ़ा है और न्यायाधीशों को यह डर सताता है कि कहीं उनकी निष्ठा पर सवाल तो नहीं उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि जमानतों के मामले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं।

तेज ठंड से राहत: बूंदा-बांदी के आसार...

भोपाल। प्रदेश के पास से दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) गुजर रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के पूर्वी हिस्से के जिलों में बादल छा रहे हैं। मौसम विभाग की माने तो अगले 2 दिन तक तेज ठंड से राहत मिलेगी, फिर बूंदा-बांदी होने के आसार हैं। सुबह कोहरा भी रहेगा।

फार्मेसी से दवाएं नदारद, खराब व्यवहार से प्रताड़ित हैं जरुरतमंद

सरकारी अस्पतालों की 'इमरजेंसी' बदहाल, छुट्टी के दिन डॉक्टरों के बजाय किस्मत के भरोसे रहते हैं मरीज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

देश के स्वच्छतम शहर इंदौर में दूषित पानी से फैली बीमारी के बाद एमवाय जैसे बड़े सरकारी अस्पताल में भर्ती मरीजों को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के दो बड़े अस्पताल हमीदिया अस्पताल और जेपी जिला अस्पताल में यह लाइफलाइन जरूरत पड़ने पर नाकाफी साबित हो रही है। किसी दुर्घटना में घायल होकर पहुंचे मरीज को आपातकालीन सुविधा देने से यहां डॉक्टर इसलिए मना कर देते हैं कि उसकी स्थिति मरने लायक नहीं है। अगर कोई सामान्य व्यक्ति रविवार को बीमार पड़ जाए, तो उसका इलाज भगवान भरोसे ही रह जाता है।

प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया के इमरजेंसी वार्ड में संवेदनहीनता की तमाम हदें पार हो चुकी हैं। सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल होकर सागर से आए एक व्यक्ति को सात दिनों

तक अस्पताल में बिस्तर नसीब नहीं हुआ। डॉक्टरों का जवाब था कि जब स्थिति मरने जैसी हो, तभी आना। नतीजतन, टूटा पैर लेकर घायल अस्पताल के रैनबसेरे में तड़पने को मजबूर है। रविवार को ओपीडी और सरकारी दवा काउंटर बंद रहने से हालात और भयावह हो जाते हैं। एकमात्र अमृत फार्मेसी में भी अक्सर दवाओं का टोटा रहता है, जिससे मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। डॉक्टरों के साथ-साथ नर्सिंग स्टाफ का व्यवहार भी मरीजों के लिए पीड़ादायक बना हुआ है। अस्पताल में वार्ड बॉय मिलना किसी चुनौती से कम नहीं है। मरीजों के परिजन खुद ही स्ट्रेचर धकेलने को मजबूर हैं। गंभीर मरीजों को ऊपरी मंजिलों तक ले जाने के लिए स्वजन स्वयं पसीना बहा रहे हैं। लिफ्ट तक पहुंचाने और स्ट्रेचर खींचने का काम भी परिजनों को ही करना पड़ रहा है। जनाब अली, सागर (मरीज के पिता) का कहना है कि बेटे का एक्सीडेंट हुआ, नस चोक थी, लेकिन आयुष्मान कार्ड न होने पर डॉक्टरों ने भर्ती नहीं किया। कहा गया कि मरने की स्थिति में आओगे तभी भर्ती करेंगे। सात दिन रैनबसेरे में भटकना पड़ा। आयुष्मान कार्ड बनने के बाद ही भर्ती किया गया। वहीं मनोज गठले, साकेत नगर का कहना है कि मेरी 14 साल की बेटी को झटके आते हैं। उसकी हैवी डोज की दवा बाहर नहीं मिलती, इसलिए हमीदिया की अमृत फार्मेसी आता हूं। पहले से ऑर्डर देने के बावजूद आज कम दवा मिली। यह स्थिति हमेशा बनी रहती है।

वाटर कूलर के पास पशुओं का मल

जिला अस्पताल जेपी की हकीकत इंदौर जैसी आपात स्थितियों से निपटने के दावों की पोल खोलती है। यहां मरीजों को इलाज के साथ गंदगी की मार भी झेलनी पड़ रही है। वाटर कूलर के पास पशुओं का मल पड़ा होना सफाई व्यवस्था की पोल खोलता है। वरिष्ठ डॉक्टरों की कमी के चलते मरीजों का इलाज पीजी छात्रों के भरोसे है। हाल ही में फफूंद लगी दवाएं और कीड़े वाले माउथवॉश दिए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। इमरजेंसी वार्ड में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर मौजूद हैं, लेकिन उन्हें संचालित करने वाला स्टाफ अक्सर नदारद रहता है। रात के समय डॉक्टरों की देरी और अभद्र व्यवहार मरीजों की परेशानी बढ़ा देता है।

बाघों की मौत के बीच बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जांच

हेड ऑफ फॉरेस्ट ने सात दिन में मांगी उप संचालक की जांच रिपोर्ट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की लगातार हो रही मौतों के बीच यहां पदस्थ उप संचालक पीके वर्मा के विरुद्ध करप्शन और वन अभयारण्य की करोड़ों की रकम करीबियों को बांटने का मामला सामने आया है। वन बल प्रमुख से की गई शिकायत के बाद प्रधान मुख्य वन संरक्षक और संचालक राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर प्रदीप वासुदेव ने 20 जनवरी को पूरे मामले की जांच के लिए क्षेत्र संचालक टाइगर रिजर्व बांधवगढ़ को दस्तावेजों के साथ तलब किया है।

वन बल प्रमुख को ई मेल से की गई एक लिखित शिकायत में उप संचालक प्रमोद कुमार वर्मा पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि बाघ अभयारण्य में विकास कार्यों के नाम पर भारी राशि खर्च की गई, लेकिन कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवालों में है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताएं बरती गईं और कुछ कार्य बिना उचित स्वीकृति के कराए गए हैं।
शिकायतकर्ता का दावा है कि सरकारी धन का उपयोग निजी हितों के लिए किया गया और बिलों में हेराफेरी कर राशि निकाली गई। इसके अलावा निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री के उपयोग और तय मानकों की अनदेखी के भी आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया में विकास निधि में 16 करोड़ रुपए का बजट है जिसमें से बैक डेट में चार से पांच करोड रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

शासकीय कार्य के लिए गैर अनुबंधित वाहन के उपयोग का आरोप

शिकायतकर्ता एक्टिविस्ट सुशील लेवी का आरोप है कि एनएच इंडस्ट्रीज के संचालक नीरज तिवारी की फर्म के नाम पर फर्जी बिल पास कर राशि का गबन किया गया है। तिवारी के नाम पर रजिस्टर्ड बोलेरो वाहन एमपी 04 जेडएस 3140 का हर माह किराया 25000 रुपए दिया जा रहा है, डीजल खर्च भी ?25000 बताया जा रहा है जबकि यह गैर टैक्सी कोटे का निजी वाहन किसी प्रकार से शासकीय कार्य के लिए अनुबंधित नहीं है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि महालक्ष्मी ट्रेडर्स के नाम से काफी फर्जी बिल बनाए गए हैं। एनएच इंडस्ट्रीज फर्म पहले शिवपुरी जिले में काम करती थी जहां प्रकाश वर्मा कूनो नेशनल पार्क की डिप्टी डायरेक्टर के रूप में पदस्थ रहे हैं।

महाभारत समागम का तीसरा दिन

नृत्य-नाटिका 'नेत्रपट' ने दर्शकों को विचार और संवेदना पर किया भावुक

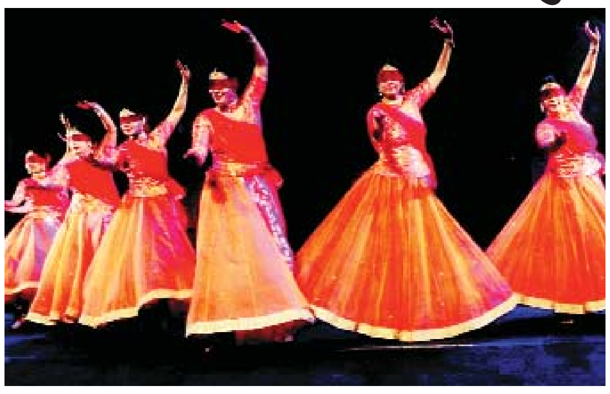

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित सभ्यताओं के संघर्ष एवं औदार्य की महागाथा पर केंद्रित महाभारत समागम के तीसरे दिन बहिरंग के मंच पर लोकछंदा, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका 'नेत्रपट' ने दर्शकों को विचार और संवेदना के स्तर पर भावुक किया।

मैत्रेयी पहाड़ी के निर्देशन में यह प्रस्तुति केवल एक नृत्य-नाट्य नहीं, बल्कि महाभारत की दार्शनिक चेतना का समकालीन पुनर्पाठ बनकर सामने आयी। प्रस्तुति में यह बताया गया कि महाभारत के युद्ध का मूल कारण सचेत अंधत्व (नैतिक और आध्यात्मिक अंधापन) बना। इसके पूर्व पूर्वरंग में पद्मश्री राजातेंदू रथ के निर्देशन में सराईकेला छाऊ शैली पर आधारित 'उरुभंगम्' तथा अंतरंग सभागार में वामन केन्द्रे निर्देशित 'मोहे पिया' का मंचन भी हुआ, जिसने इस दिन को कलात्मक और वैचारिक दृष्टि से समृद्ध बनाया। नृत्य-नाटिका अपने शिखर पर तब पहुंचती है, जब कृष्ण का विराट रूप प्रकट होता है और साधारण दृष्टि असमर्थ हो जाती है। यहीं गीता उपदेश का बिंदु जन्म लेता है, जहां देखने का अर्थ बदल जाता है–दृष्टि नेत्रों से नहीं, विवेक से उत्पन्न होती है। 'नेत्रपट' अंततः यह उद्घोष करती है कि मुक्ति देखने में नहीं, बल्कि सही प्रकार से देखने में निहित है। अंतरंग सभागार में रंगपीठ थियेटर, मुंबई द्वारा प्रस्तुत संस्कृत आधारित मध्यम व्यायोग 'मोहे पिया' का मंचन निर्देशक वामन केंद्रे के निर्देशन में किया गया।

नेत्रपट: महाभारत का दार्शनिक पुनर्पाठ

'नेत्रपट' अंधत्व को आंखों की शारीरिक असमर्थता न मानकर मानव चेतना द्वारा चुनी गई अवस्था के रूप में प्रस्तुत करती है। यह नृत्य-नाटिका उस निर्णायक क्षण की पड़ताल करती है, जब मनुष्य सत्य को देखने में सक्षम होते हुए भी उससे दृष्टि फेर लेता है। प्रस्तुति में नेत्रपट दो अर्थों में उभरता है–एक ओर कृष्ण में पूर्ण शरणागति का प्रतीक, जहां बाह्य दृष्टि के बंद होने पर आंतरिक विवेक जागृत होता है; दूसरी ओर वही नेत्रपट अहंकार, हठ और जिद से जन्मे उस सचेत अंधत्व का रूप ले लेता है, जिसने महाभारत के युद्ध को अनिवार्य बना दिया।

संघ की सौ वर्ष की यात्रा समाज परिवर्तन की प्रेरक कहानी है

शताब्दी वर्ष पर हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर शहर के विभिन्न नगर, बस्तियों और खंडों में सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में आयोजित हिन्दू सम्मेलन में हजारों की संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की और सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा संगठित हिन्दू समाज के संकल्प को सार्वजनिक रूप से दोहराया।
सम्मेलन में हर आयु के लोग शामिल हुए और सनातन संस्कृति को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। बंजारी दशहरा मैदान में सौरभ शर्मा ने कहा कि संगठित समाज ही सशक्त राष्ट्र बनाता है। वहीं डॉ. प्रतिभा पांडे ने परिवार को संस्कृति की पहली पाठशाला बताया। भजन और सामूहिक आरती ने माहौल भक्तिमय कर दिया। मंदाकिनी दानिश कुंज और वसुंधरा बस्ती में भी बड़ी उपस्थिति दर्ज हुई। क्षेत्रीय वक्ताओं ने कहा कि संघ की सौ वर्ष की यात्रा समाज परिवर्तन की प्रेरक कहानी है। खुशीपुरा और गौतम नगर में राष्ट्रहित और समरसता पर चर्चा हुई।

रातीबड़ में गौ पूजन और ध्वज वंदन के साथ सम्मेलन शुरू हुआ। एम्स पिपल्या में मातृशक्ति ने स्वदेशी और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। अंत में भारत माता आरती और हनुमान चालीसा के साथ एक स्वर गूंजा कि शताब्दी वर्ष में भोपाल का समाज संगठित और तैयार है। इसके अलावा अयोध्या नगर एम सेक्टर, बिट्टन मार्केट, आदर्श नगर बस्ती, विवेकानंद बस्ती 1100 क्वाटर्स में भी हिंदू सम्मेलन हुए।

संवेदनशील हृदय से सृजित साहित्य पाठक के मन को स्पर्श करता है - डॉ. शील कौशिक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. शील कौशिक ने कहा कि संवेदनशील हृदय से उपजा साहित्य पाठक के हृदय को स्पर्श करता है। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आयोजित पुस्तक पखवाड़े के सत्रहवें दिवस के सत्र की अध्यक्षता करते हुए मुख्य वक्ता के रूप में बोल रही थीं पुस्तक विमर्श के इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विष्णु प्रभाकर की प्रतिनिधि लघुकथाएं सम्पादक - अतुल कुमार प्रभाकर पर चर्चा करते हुए विमर्शकार समीक्षक अंजू खरबन्दा ने कहा कि - लघुकथाओं के साथ आलेख, साक्षात्कार इस कृति को

समग्रता प्रदान करती हैं। आयोजन में विमर्श हेतु अन्य पुस्तक थी-डॉ. वसुधा गाडगिल की कहानी संग्रह रंग से रश्मियों तक। इस पर सुपरिचित समीक्षक अंतरा करबडे ने कहा कि - यह कहानियाँ मन के उजले रंग के साथ न्याय करती प्रभावी कहानियाँ हैं। इसके साथ ही पुस्तक - पच्चीस साल बाद चर्चा करते हुए चित्रा राघव राना ने कहा कि- इन कथाओं की मुख्य पात्र स्त्री है जो अपनी तमाम कमजोरियों के बाद पूरी दुनिया को बदलने की शक्ति रखती है। यह इक्कीसवीं सदी की महत्वपूर्ण लघुकथाओं का दस्तावेज है। कार्यक्रम का संचालन ज्योति करंजगाँवकर और अश्विनी देशपांडे ने किया। आयोजन के अंत में लेखक अतुल कुमार प्रभाकर, डॉ. वसुधा गाडगिल और नीलिमा शर्मा ने केंद्र, मंचस्थ अतिथियों और उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया।

मेट्रो एंकर

करियर कॉलेज ऑडिटोरियम में तमिल संगम ने आयोजित किया उत्सव

पोंगल भारतीय पहचान की सबसे जीवंत अभिव्यक्ति है...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

करियर कॉलेज ऑडिटोरियम में रंग-बिरंगी साड़ियों, पारंपरिक वेशभूषा और उत्सव की चकाचौंध से सराबोर दिखाई दिया। भोपाल तमिल संगम द्वारा आयोजित इस पोंगल उत्सव में तमिल परंपराओं का ऐसा रंग भरा गया कि दर्शक खुद को मध्य भारत में नहीं, बल्कि किसी तमिल गांव के पर्व में महसूस कर रहे थे।

संगम के अध्यक्ष पी. राजू ने कहा कि पोंगल केवल त्योहार नहीं बल्कि आभार, एकता और भारतीय पहचान की सबसे जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन तमिलनाडु और मध्य प्रदेश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का माध्यम है। पहले सत्र में भोपाल के विद्यार्थियों और कलाकारों ने भरतनाट्यम और लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। कला और संस्कृति विभाग के कलाकारों ने भरतनाट्यम, करगट्टम और लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतिनिधियों ने परंपरागत तमिल ताई वाझ्थु के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। वीआईटी विवि के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन और तमिलनाडु सरकार के विशेष प्रतिनिधि ए. के. एस. विजयन ने कहा कि पोंगल मूल रूप से फसल, प्रकृति और श्रम के सम्मान का पर्व है और भोपाल की भागीदारी यह साबित करती है कि भाषा और भूगोल सीमाएं नहीं हैं. महासचिव ए। स्वामी दुरै ने कहा कि संगम का उद्देश्य तमिल संस्कृति को मध्य भारत से जोड़े रखना है। उन्होंने कहा कि पोंगल एक ऐसा उत्सव है जो बताता है कि विविधता हमारा सौंदर्य है और साझेदारी हमारी शक्ति है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कानपुर में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की सुपुत्री के विवाह समारोह में शामिल हुए और वर वधु को श्री महाकालेश्वर मंदिर का चित्र भेंट किया।

भोज विवि की परीक्षाओं में अब खाकी का पहरा

भोपाल। भोज मुक्त विश्वविद्यालय ने दिसंबर व जनवरी सत्र की परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। यूजी व पीजी सहित अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 27 जनवरी से शुरू होंगी। इनमें करीब 35 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। इस बार विवि प्रबंधन ने परीक्षाओं को नकलमुक्त कराने को लेकर सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस की तैनाती की जाएगी। इसके लिए सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

भोज विवि ने प्रदेशभर में 540 स्टडी सेंटरों को परीक्षा केंद्र बनाया है। प्रत्येक जिले में दो-दो उड़नदस्ता टीमों का गठन भी किया गया है। परीक्षाओं को नकलमुक्त कराने के लिए परीक्षा केंद्राध्यक्षों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि विद्यार्थी नकल सामग्री लेकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश न कर सकें।

पीजी की परीक्षाएं 16 मार्च तक चलेंगी

भोज विवि की यूजी द्वितीय व तृतीय वर्ष की परीक्षाएं 27 जनवरी से पांच फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का समय दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक रहेगा। वहीं बीए प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 10 फरवरी से 16 मार्च तक होंगी। साथ ही पीजी की परीक्षाएं 27 जनवरी से पांच फरवरी तक आयोजित की जाएंगी।

मोहन सरकार के बजट में युवा- किसान, कर्मचारियों पर फोकस

50 हजार नई नौकरियों का ऐलान, सरकारी सेवकों को 35 लाख रुपए का हेल्थ इंश्योरेंस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की अधिसूचना जारी हो गई है। 16 फरवरी से 6 मार्च तक चलने वाले सत्र में डॉ. मोहन यादव सरकार पहली बार रोलिंग बजट का कॉन्सेप्ट पेश करेगी, यानी इस बार बजट में एक साल की बजाय अगले तीन सालों के फाइनेंशियल रोडमैप की झलक देखने को मिलेगी। बजट के पिटारे से आम जनता, कर्मचारियों, किसानों और युवाओं के लिए कई बड़ी सौगातें निकलने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, सरकार अगले एक साल में 50,000 नई सरकारी नौकरियों का ऐलान कर सकती है।

वहीं, राज्य के 10 लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 35 लाख रुपए तक की केशलैस स्वास्थ्य बीमा योजना सबसे बड़ी घोषणाओं में से एक हो सकती है। किसानों की आय दोगुनी करने के मकसद से हर जिले में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने और शहरी परिवहन को सुगम बनाने के लिए सस्ती सहकार टैक्सी सेवा शुरू करने की भी तैयारी है। बता दें कि मोहन सरकार अपने कार्यकाल का तीसरा पूर्ण बजट पेश करने वाली है। इस बार 4.65 लाख करोड़ का बजट पेश करने का अनुमान है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 10 गुना ज्यादा है।

तीन साल का रोडमैप पेश करेगा रोलिंग बजट

इस बार के बजट की विशेषता रोलिंग बजट है। ये पारंपरिक बजट से अलग होता है। यह एक निश्चित टाइम पीरियड की बजाय योजनाओं के साथ अपडेट होता रहता है। इस नई व्यवस्था के तहत, सरकार एक साथ तीन वित्तीय वर्ष (2026-27, 2027-28, और 2028-29) के लिए अपनी आय और व्यय की योजना बनाएगी। सरकार का मानना है कि इस कॉन्सेप्ट से 3 अहम फायदे होंगे।

खर्च पर कंट्रोल: योजनाओं पर होने वाले खर्च की लगातार निगरानी संभव होगी, जिससे फिजूलखर्ची पर लगाम लगेगी।

लगातार मॉनिटरिंग: योजनाओं की मॉनिटरिंग और समय समय पर इसका इवैल्यूएशन किया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर उनमें बदलाव भी किया जा सकेगा।

लॉन्ग टर्म अप्रोच: सरकार अपनी प्राथमिकताओं को लॉन्ग टर्म के लिए निर्धारित कर सकेगी, जिससे विकास परियोजनाओं में स्थिरता आएगी और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

मेगा हेल्थ स्कीम

डॉ. मोहन यादव सरकार इस बजट में राज्य के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए व्यापक स्वास्थ्य आश्वासन योजना शुरू कर सकती है। इसमें कर्मचारियों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 35 लाख रुपए तक का केशलैस कवर मिलेगा।

केशलैस इलाज: वर्तमान में, कर्मचारियों को पहले अपनी जेब से इलाज का खर्च उठाना पड़ता है और बाद में विभाग से प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन करना होता है, जिसमें अक्सर पूरी राशि नहीं मिलती। नई योजना के तहत, हरियाणा और राजस्थान की तरह, कर्मचारी और उनके परिवार के लोग योजना के कार्ड के जरिए सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में केशलैस इलाज करा सकेंगे।

वेतन-भत्ते और खर्च को गिनने का नया सिस्टम

इसके अलावा, कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और स्थायी व्यय की गणना के लिए एक नई प्रणाली लागू की जाएगी, जिसमें 3त्न वार्षिक वेतन वृद्धि और महंगाई भत्ते की गणना 74त्न, 84त्न, 94त्न के हिसाब से होगी। साथ ही, कर्मचारियों के लिए उपहार लेने की 50 साल पुरानी सीमा को 500 रुपए से बढ़ाकर 5,000 रुपए किया जा सकता है, ताकि वे बिना किसी अनुशासनात्मक कार्रवाई के डर के छोटे-मोटे उपहार स्वीकार कर सकें।

'सहकार टैक्सी': ओला-उबर को टक्कर देने की तैयारी

शहरी क्षेत्रों में परिवहन को सुगम और सस्ता बनाने के लिए सहकार टैक्सी सेवा शुरू करने की घोषणा की जा सकती है। सहकारिता विभाग की यह योजना ओला और उबर जैसी एग्रीगेटर कंपनियों का एक सहकारी विकल्प प्रदान करेगी। पांच पॉइंट्स में समझे ये कैसे काम करेगी..

संचालन: इसका संचालन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) और अन्य बड़ी सहकारी समितियों के जरिए होगा।

सस्ती राइड: चूंकि यह एक सहकारी मॉडल होगा, इसलिए ड्राइवरों को किसी कंपनी को कमीशन नहीं देना होगा। इसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा और राइड्स मौजूदा टैक्सियों की तुलना में सस्ती होंगी।

ड्राइवरों की आय में वृद्धि- कमीशन मुक्त होने से ड्राइवरों की कमाई में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

विस्तार: योजना की शुरुआत भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर जैसे बड़े शहरों से होगी, और सफलता के बाद इसे अन्य शहरों में भी लागू किया जाएगा।

सिवनी-उज्जैन से भाग गए थे कैदी

मप्र की जेलों में सिक्योरिटी ऑडिट अब परखी जाएगी सुरक्षा की दीवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में एक माह के भीतर कैदियों के जेल से भागने की दो घटनाएं सामने आने के बाद सभी सेंट्रल, जिला और सर्किल जेलों का सुरक्षा ऑडिट कराया जा रहा है। हाल ही में सिवनी जिला जेल से तीन कैदी फरार हुए थे। इससे पहले दिसंबर में उज्जैन की खाचरोद उपजेल से भी तीन कैदी भाग गए थे। सभी छह कैदी हत्या या दुष्कर्म जैसे मामलों में जेल में बंद थे।

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जेल महानिदेशक वरुण कपूर ने सभी जेल अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं। ऑडिट के दौरान यह आकलन किया जा रहा है कि बल की कितनी कमी है, निगरानी तंत्र कमजोर होने के क्या कारण हैं और सीसीटीवी कैमरों की पर्याप्त उपलब्धता है या नहीं।

ऑडिट के बाद सभी जेलों में व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के लिए एक संयुक्त योजना तैयार कर राज्य शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसमें यह भी देखा जा रहा है कि दीवारों की ऊंचाई बढ़ाने की आवश्यकता है या नहीं, दीवारों के ऊपर लगी तार फेंसिंग की स्थिति क्या है और कहीं ऐसी जगह तो नहीं, जहां से सहारा लेकर कैदी भाग सकते हों। साथ ही खतरनाक कैदियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की जा रही है।

गणतंत्र दिवस पर रिहा होंगे 87 कैदी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेश की विभिन्न जेलों में बंद आजीवन कारावास से दंडित 87 कैदियों को रिहाई दी जाएगी। इसके लिए विभिन्न जेलों से कुल 481 कैदियों के मामलों पर विचार किया गया, जिनमें से 394 को निर्धारित शर्तें पूरी न होने के कारण अपात्र पाया गया।

सिंघार बोले- जेलों में 50 प्रतिशत विचाराधीन कैदी, सबसे अधिक आदिवासी

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश की 132 जेलों में 45,543 कैदी बंद हैं, जो देश में तीसरी सर्वाधिक संख्या है।

पहले और दूसरे स्थान पर क्रमशः बिहार और उत्तर प्रदेश हैं। उन्होंने बताया कि राज्य की जेलों की कुल क्षमता लगभग 30 हजार है, जबकि वर्तमान में कैदियों की संख्या क्षमता से 152 प्रतिशत अधिक है। इनमें से 22,946 कैदी, यानी लगभग 50 प्रतिशत, विचाराधीन हैं। उनका दावा है कि विचाराधीन कैदियों में 21 प्रतिशत आदिवासी हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। साथ ही विचाराधीन कैदियों में 80 प्रतिशत एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के हैं। उन्होंने सरकार से विचाराधीन कैदियों की शीघ्र सुनवाई की मांग की।

पांगरी बांध मुआवजा विवाद-

बुरहानपुर में किसानों के बच्चों ने संभाली आंदोलन की कमान

बुरहानपुर, दोपहर मेट्रो

जिले की पांगरी बांध परियोजना के तहत भूमि डूब में जाने से प्रभावित किसानों का आंदोलन लगातार उग्र होता जा रहा है। मुआवजे को लेकर सरकार और प्रशासन से संतोषजनक जवाब न मिलने के कारण किसान लंबे समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते महीनों में किसान पत्थर खाओ आंदोलन, भैंस के आगे बीन बजाओ, अर्ध नग्न प्रदर्शन जैसे अनूठे तरीकों से अपना विरोध जता चुके हैं।

आंदोलन में बच्चों की एंट्री- रविवार को आंदोलन ने एक नया रूप ले लिया, जब प्रभावित किसानों के छोटे-छोटे बच्चों ने आंदोलन की बागडोर अपने हाथ में ले ली। बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम पत्र लिखा और जमीन का दोगुना मुआवजा देने की मांग की। तख्तियों पर ÷हमें न्याय चाहिए÷ और ÷जय जवान जय किसान÷ जैसे नारे लिखे हुए थे। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे डॉ. रवि कुमार पटेल ने आरोप लगाया कि प्रशासन भूमि अधिग्रहण कानून को तोड़-मरोड़ कर किसानों के सामने प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को विधिवत दो गुना मुआवजा और सांत्वना राशि मिलनी चाहिए। प्रशासन की मौजूदा प्रक्रिया कानून के विपरीत है, जिसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

300 से अधिक परिवार प्रभावित

पांगरी मध्यम सिंचाई परियोजना के तहत पांगरी, बसाली और नागझिरी गांवों के 300 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। इन गांवों की लगभग 287 हेक्टेयर भूमि बांध के डूब क्षेत्र में चली गई है। यह भूमि गन्ना, केला और कपास जैसी व्यावसायिक फसलों के लिए जानी जाती थी। किसानों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग ने न तो प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और विस्थापन की कोई ठोस योजना बनाई है और न ही परियोजना से जुड़े आवश्यक सर्वे कराए गए हैं। जिला प्रशासन कलेक्टर दर से भूमि का मूल्य और उतनी ही पारितोषिक राशि दे रहा है, जिसे किसान अपर्याप्त बता रहे हैं। डॉ. रवि पटेल के अनुसार मुआवजे को लेकर जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ दो बार बैठक हो चुकी है।

पशुपालन को लेकर प्रदेश भर में चलेगा अभियान

राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर आयोजित की जाएंगी विभिन्न गतिविधियां

भोपाल। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में जागरूक करने के लिए पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। जो 13 फरवरी 2026 तक चलेगा। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में भी पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल ने सभी जिलों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि यह अभियान राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं हितग्राही मूलक गतिविधियों के माध्यम से संचालित होगा।

पूर्व डीजीपी ने लगाए गंभीर आरोप

अवैध एवं खतरनाक निर्माण से सुरक्षा पर खतरा, पर्यावरण को भी नुक्सान

भोपाल। पूर्व पुलिस महानिदेशक एवं सामाजिक कार्यकर्ता मैथिली शरण गुप्त ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दानिश क्षेत्र में माधव गुप्ता द्वारा स्वीकृत सीमा से कई गुना अधिक क्षेत्र में अवैध, खतरनाक एवं साजिशन निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिससे न केवल उनके मकान की गंभीर क्षति पहुंची है, बल्कि जन-सुरक्षा, पर्यावरण एवं शासकीय अधोसंरचना भी खतरे में पड़ गई है।

उन्होंने बताया कि श्री गुप्ता को मात्र 13.6%X19% वर्गफीट क्षेत्र में बेसमेंट निर्माण की अनुमति है किंतु इसके विपरीत लगभग 72% X55% वर्गफीट क्षेत्र में अत्यंत गहरी खुदाई कर भूमि को जानबूझकर खोखला किया गया। इस अवैध खुदाई के परिणामस्वरूप तीन विशाल वृक्ष जड़ सहित गिरा दिए गए, जबकि शेष चार वृक्ष वर्तमान में अस्थिर स्थिति में हैं। श्री गुप्त ने बताया कि इस साजिशन खुदाई से उनका मकान लगभग 6 इंच तक धंस चुका है, दीवारों में गंभीर दरारें आ गई हैं और मकान गिरने की कगार पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा कृत्य आसपास की भूमि को अस्थिर कर अनधिकृत कब्जे की मंशा से किया गया है। यह भी बताया गया कि 06 नवंबर 2025 को धमकी दिए जाने के बाद शासकीय भूमि में पुनः खुदाई कर जेसीबी मशीन से सटी हुई भूमि को जानबूझकर कमजोर किया गया, ताकि मकान एवं शेष वृक्ष गिर जाएँ। इस दौरान नगर निगम की सीवेज पाइपलाइन को भी क्षति पहुँचाई गई। श्री गुप्त ने आरोप लगाया कि नगर निगम के निर्देशों एवं सुरक्षा मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज करते हुए अवैध निर्माण लगातार जारी है तथा उनके विरुद्ध झूठी शिकायतें दर्ज कराई गई, जिन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 202 के अंतर्गत संबंधित सक्षम प्राधिकरणों के समक्ष कार्यवाही प्रचलित है।

दोपहर मेट्रो

प्रदेश में पीएम ई-बस सेवा पर ब्रेक! 8 शहरों में अटकी योजना

472 बसें तैयार पर डिपो और चार्जिंग स्टेशन अधूरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश के आठ शहरों के लिए 972 ई-बसें स्वीकृत की हैं। इनमें से 472 बसें इन शहरों में चलने को तो तैयार हैं, लेकिन डिपो और चार्जिंग स्टेशन न होने से बसों का संचालन रुका हुआ है। प्रदेश की नगर सरकारें यहां अब तक डिपो ही नहीं बना सकी हैं। इंदौर और भोपाल में बस डिपो बनाने का केवल 15-15 प्रतिशत तो ग्वालियर में पांच प्रतिशत ही काम हो पाया है।

चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण में भी इंदौर, भोपाल और ग्वालियर पिछड़े हैं। केवल जबलपुर का काम संतोषजनक है। यहां कंठौंदा बस डिपो का निर्माण कार्य 70 प्रतिशत हो चुका है। इन शहरों की हवा दूषित है, इसलिए इन्हें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत चिह्नित किया है और इस दिशा में ई-बसों का संचालन महत्वपूर्ण माना जा रहा है लेकिन ई-बस संचालन में डिपो के निर्माण की धीमी गति बताती है कि इन शहरों के आमजनों को ई-बस सेवा की सुविधा के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

उज्जैन और सागर में टेंडर ही नहीं हो पाया- उज्जैन में 100 ई-बस चलनी है। इसके लिए ओल्ड बस डिपो मक्सी रोड पर डिपो निर्माण किया जाना है, लेकिन यहां मेयर इन काउंसिल (एमआइसी) में दर स्वीकृति ही नहीं हो सकी। यही हाल यहां चार्जिंग स्टेशन का है। इसी तरह सागर में 32 ई-बस संचालन के लिए नवीन आरटीओ कार्यालय तिलीमाफी में बस डिपो और चार्जिंग स्टेशन का अधोसंरचना विकास होना है। सागर नगर निगम इसकी निविदा ही जारी नहीं कर सका है।

इन आठ शहरों में 972 इलेक्ट्रिक बस स्वीकृत- भोपाल 195, इंदौर 270, ग्वालियर 100, जबलपुर 200, उज्जैन 100, सागर 32, देवास 55 एवं सतना में 20 कुल 972 इलेक्ट्रिक बस स्वीकृत की गई है। इनमें भोपाल के लिए 100, इंदौर 150, ग्वालियर 60, जबलपुर 100, उज्जैन 30 एवं सागर में 32 इस तरह 472 ई बस के लिए सफल निविदाकार को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) जारी किए जा चुके हैं। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में में दो-दो उज्जैन व सागर में एक-एक कुल 10 डिपो के लिए सिविल एवं चार्जिंग अधोसंरचना निर्माण के लिए कार्रवाई चल रही है।

ई-बस डिपो एवं चार्जिंग स्टेशनों के इन्फ्रास्ट्रक्चर की प्रगति

शहर	बस डिपो	डिपो निर्माण प्रगति	चार्जिंग स्टेशन	निर्माण प्रगति	
जबलपुर	कठौंदा	70	60 आइएसबीटी	10	00
इंदौर	आइएसबीटी	15	15 देवास नाका निरंजनपुर	15	15
भोपाल	बैरागढ़	15	15 कस्तुरबा नगर आइएसबीटी	0	10
ग्वालियर	रमौआ	5	5 आइएसबीटी	50	10

(नोट- आंकड़े प्रतिशत में)

जनमत का हो सम्मान

महाराष्ट्र में 29 शहरी निकायों के चुनाव हो चुके हैं। करीब 23-24 महानगर पालिकाओं में महागठबंधन या भारतीय जनता पार्टी के महापौर बनने की संभावना है। इस पर हालांकि फिलहाल चर्चाओं से अधिक कुछ नहीं है, क्योंकि शहरी विकास विभाग अगले सप्ताह महापौर पद के आरक्षण को लेकर लॉटरी निकालेगा, जिसमें तय होगा कि पद सामान्य वर्ग, महिला या किसी आरक्षित श्रेणी के लिए होगा। आरक्षण की घोषणा के बाद पात्र नगरसेवक नामांकन-पत्र जमा करेंगे और उसके कुछ दिनों बाद महापौर का चुनाव कराया जाएगा। एक अनुमान के अनुसार जनवरी के अंतिम सप्ताह में शहरों के प्रथम नागरिक तय हो जाएंगे। चुनाव के बाद मुंबई, ठाणे, छत्रपति संभाजीनगर, अकोला, अमरावती और चंद्रपुर में महापौर पद को लेकर हलचल आरंभ है। यहां सहायता बिना किसी का महापौर नहीं बन सकेगा, क्योंकि मनपा के सदन में किसी भी दल के पास बहुमत नहीं है। विदर्भ के चंद्रपुर में कांग्रेस और भाजपा दोनों के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं है। इसी प्रकार अमरावती और अकोला की स्थिति है। छत्रपति संभाजीनगर में एक की कमी है। सबसे बड़ी झंझट मुंबई की है, जहां नवनिर्वाचित नगरसेवकों से मिलने के बाद शिवसेना ठाकरे गुट के नेता उद्धव ठाकरे महापौर पद से पीछे हटते नहीं दिख रहे हैं। वह एक तरफ जहां शिवसेना शिंदे गुट के नगर-सेवकों पर नजर गड़ाए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें भगवान की इच्छा पर भी भरोसा है। मुंबई शिवसेना ठाकरे गुट यदि महाविकास आघाड़ी के नाम पर सारे नगरसेवक जुटा लेता है तो भी उसके पास आठ नगरसेवकों की कमी है, जिस पर ठाकरे का दावा है कि शिवसेना शिंदे गुट के कुछ नगरसेवक वापस आ सकते हैं। कुछ यही वजह है कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने नगरसेवकों को होटल में पहुंचा दिया है। उनकी पार्टी का दावा करती है कि 29 में से 20 नगरसेवक नए हैं, इसलिए उन्हें भविष्य के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, लेकिन इतनी जल्दी प्रशिक्षण देना अनेक सवालों को जन्म देता है। साफ है कि बहुमत हासिल करने के लिए दलबदल की कोशिशें हर तरफ जारी हैं। मगर जनमत का अपना संदेश है। यदि मुंबई में शिवसेना के हाथ से मनपा निकल गई है तो वह विचार योग्य विषय है। वहीं भाजपा को बहुमत नहीं मिलने और पिछली बार की तुलना में केवल पांच सीटें ही अधिक पाने के अपने संकेत हैं। राजनीति में चुनाव के बाद जनमत को समझने के ही प्रयास होने चाहिए। जोड़-जोड़ की राजनीति हमेशा ही अस्थिरता को जन्म देती है, जिसमें कभी एक की बारी तो कभी दूसरे की बारी आ जाती है। मतदान के बाद दोनों के बीच में आम जनता पिसती रह जाती है।

पवार - ठाकरे के अवसरवादी युग के अंत के साथ राजनीति के नए सबक

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र की राजनीति में दशकों तक दो परिवार सत्ता, प्रभाव और भय का पर्याय बने रहे। ठाकरे और पवार। इन दोनों नामों के इर्द-गिर्द राजनीति घूमती रही, सरकारें बनती-टूटती रहीं और विचारधाराएँ सुविधानुसार बदली जाती रहीं । सिद्धांत स्थायी नहीं रहे, केवल सत्ता सर्वोपरि रही। लेकिन 2026 के मुंबई और महाराष्ट्र की अन्य नगर निकाय चुनावों ने यह साफ कर दिया कि जनता अब पारिवारिक राजनीति, बार-बार की निष्ठा-परिवर्तन और सत्ता-लालच से ऊब चुकी है। भारतीय जनता पार्टी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग सम्पूर्ण देश में कांग्रेस के किलों महलों को ध्वस्त करते हुए राष्ट्रीय विकल्प बन गई है। मुंबई महाराष्ट्र के इन चुनावों ने शरद पंवार और ठाकरे परिवारों के एक युग का अंत दिखा दिया। ठाकरे से अधिक शरद पंवार मराठा क्षत्रप के रूप में करीब साठ वर्षों से राष्ट्रीय राजनीति में मुख्य मंत्री से प्रधान मंत्री पद तक के लिए हर संभव जोड़ तोड़ और हथकंडों का इस्तेमाल करते रहे। इसी सन्दर्भ में ' नरसिंहा राव के बाद कौन ' शीर्षक वाली 1993 की मेरी पुस्तक में शरद पंवार पर एक चेप्टर के प्रारम्भ में मैंने लिखा था कि ' शरद पंवार के प्रिय खेल कबड्डी , खो - खो और कुश्ती रहे हैं। कबड्डी के लिए तेजी से पाला बदलना , खो खो की तरह दूसरे को आउट करना और मौका पड़ने पर कुश्ती के दांव की तरह अपने प्रिय गुरु या शिष्य को पटकनी देने में बहुत फुर्ती वाले चतुर चालाक राजनेता हैं। ' लेकिन 2026 में वह इन खेलों के दांव पेंचों और बाद में क्रिकेट की फिक्सिंग के जुवें में भी जनता द्वारा सदा के लिए मैदान से बाहर कर दिए गए हैं।

इस तरह यह भारतीय राजनीति के एक अध्याय का अंत और नए अध्याय की शुरुआत है। भावी राजनीति के लिए सबक है। 2026 के नगर निगम और नागरिक चुनावों में जो हुआ, वह आकस्मिक नहीं था।मुंबई, ठाणे, पुणे जैसे गढ़ ढह गए। उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पंवार की एनसीपी हाशिये पर चली गई। राहुल गांधी की कांग्रेस तो मुंबई में मुंह दिखाने लायक नहीं रह गई। जनता ने साफ संदेश दिया– 'वंश नहीं, विश्वसनीयता चाहिए।' एक तरह से इतिहास ने हिसाब बराबर कर दिया न। ठाकरे और पवार परिवारों ने राजनीति को आंदोलन नहीं, पारिवारिक कारोबार बनाया। जब तक सत्ता मिली, सिद्धांत बदले जाते रहे। 2026 के चुनावों ने बता दिया कि लोकतंत्र देर से सही, लेकिन हिसाब जरूर करता है। आज ये दोनों परिवार उसी राजनीति के शिकार हैं,जिसे उन्होंने वर्षों तक इस्तेमाल किया। जो राजनीति को छल समझते हैं, अंततः राजनीति उन्हें बेनकाब कर देती है। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव के नतीजों ने ठाकरे व पवार परिवार दोनों को राजनीतिक रूप से पीछे धकेल दिया है।

शरद पवार कांग्रेस में यशवंतराव चव्हाण के बाद बड़े नेता बने। लेकिन जैसे ही उन्हें लगा कि शीर्ष पद दूर है, उन्होंने पार्टी तोड़ दी। उन्होंने वसंतराव नाइक, वसंत दादा पाटिल , शंकर राव चव्हाण को ही नहीं इंदिरा गाँधी , राजीव गाँधी , नरसिंह राव , सोनिया गाँधी के साथ समय समय पर सम्बन्ध जोड़े और सत्ता के लिए तोड़े। तीन बार महारष्ट्र के मुख्यमंत्री , केंद्र सरकारों में प्रभावशाली मंत्री बन सके , लेकिन प्रधान मंत्री के सपने के बाद अब महाराष्ट्र में अपने उत्तराधिकारी को सत्ता सौंपने का सपना भी टूट गया।

नगर निगमों पर नियंत्रण खोना ठाकरे परिवार के लिए बड़ा झटका है क्योंकि इन्हीं निकायों पर उनका राजनीतिक प्रभाव मजबूत था। भावनात्मक आधार पर उनका वोट बैंक अब काम नहीं कर पा रहा है। बालासाहेब ठाकरे का राजनीतिक उदय किसी वैचारिक आंदोलन से नहीं, बल्कि भावनात्मक उभार और आक्रामक भाषा से हुआ।1966 में शिवसेना बनी– मराठी अस्मिता के नाम पर, लेकिन बहुत जल्दी यह स्पष्ट हो गया कि शिवसेना का असली ईंधन सत्ता की निकटता है। आपातकाल और इंदिरा गांधी को समर्थन यह एक ऐतिहासिक तथ्य है जिसे शिवसेना के अनुयायी अक्सर भुलाना चाहते हैं कि 1975 के आपातकाल में बाल ठाकरे ने इंदिरा गांधी का खुला समर्थन किया। जब देश के बड़े नेता जेल में थे, प्रेस पर सेंसरशिप थी, तब बाल ठाकरे ने इंदिरा गांधी को 'दृढ़ नेता' बताया। यही नहीं, शिवसेना ने उस दौर में कांग्रेस के खिलाफ कोई बड़ा आंदोलन नहीं किया। यह पहला प्रमाण था कि लोकतंत्र या तानाशाही नहीं, सत्ता से निकटता ही प्राथमिकता है।1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद बाल ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से यह दावा किया कि 'यदि बाबरी गिरी है, तो शिवसेना के कारण गिरी है। 'यह बयान हिंदुत्व की राजनीति में लोकप्रिय तो हुआ, लेकिन सवाल यह है

कि क्या यह वैचारिक प्रतिबद्धता थी या राजनीतिक ब्रांडिंग? क्योंकि यही शिवसेना बाद में उसी कांग्रेस के साथ सत्ता में गई, जिसे वह 'हिंदू-विरोधी' कहती रही।1995 में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन सत्ता में आया।

1998 में केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनी–और शिवसेना उसका हिस्सा बनी।यह गठबंधन विचारधारा से ज्यादा सत्ता की मजबूरी था।बाल ठाकरे ने कभी बीजेपी को छोटा भाई माना, तो कभी उपयोगी औजार।यानी सिद्धांत नहीं बदले–केवल साझेदार बदले।बाल ठाकरे के बाद उद्धव ठाकरे को नेतृत्व मिला।उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पहचान यह रही कि वे पहले नरेंद्र मोदी और बीजेपी के साथ थे, और फिर अचानकसोनिया गांधी और शरद पवार की गोद में जा बैठे।

2014 और 2019 तक उद्धव ठाकरे बीजेपी के साथ सत्ता में रहे।मोदी-शाह की जोड़ी पर तब तक कोई वैचारिक आपत्ति नहीं थी।लेकिन 2019 के बाद मुख्यमंत्री पद न मिलने पर उद्धव ठाकरे ने वह कदम उठाया, जिसने शिवसेना की आत्मा को झकझोर दिया।सोनिया गांधी और शरद पवार के सामने 'समर्पण'जिस कांग्रेस को दशकों तक शिवसेना ने गाली दी,जिस शरद पवार को सत्ता-दलाल कहा–

उसी के साथ महाविकास अघाड़ी बनी।न कोई वैचारिक विकास था, न राजनीतिक प्रयोग–यह सिर्फ़ सत्ता के लिए वैचारिक आत्मसमर्पण था।

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों की यह जीत किसी एक नेता की नहीं, बल्कि मोदी के भरोसे, अमित शाह की रणनीति और देवेंद्र फडणवीस की संगठनात्मक क्षमता का संयुक्त परिणाम है। इन तीनों ने मिलकर न केवल विपक्ष को पराजित किया, बल्कि राज्य की राजनीति की धुरी ही बदल दी। नगर निगम चुनावों के नतीजे सिर्फ़ स्थानीय नेताओं या पार्षदों की जीत-हार नहीं थे। यह परिणाम राज्य की राजनीति में एक रणनीतिक पुनर्संरचना का संकेत थे, जिसके पीछे तीन निर्णायक स्तंभ स्पष्ट रूप से उभरे–नरेंद्र मोदी, अमित शाह और देवेंद्र फडणवीस। इन तीनों ने अलग-अलग स्तरों पर भूमिका निभाई, लेकिन प्रभाव एक साझा दिशा में गया–विपक्ष की राजनीति को कमजोर करना और सत्ता के लिए एक स्थिर ढांचा खड़ा करना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी देश के शहरी, मध्यम वर्ग और गरीब मतदाताओं के बीच सबसे बड़ा राजनीतिक ब्रांड बने हुए हैं। मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे महानगरों में नगर निकाय चुनाव स्थानीय मुद्दों से अधिक मोदी के नाम और छवि पर लड़े गए।

'डबल इंजन सरकार ', 'विकास ', 'स्थिरता' और 'भ्रष्टाचार-मुक्त शासन' जैसे नारे सीधे मोदी की विश्वसनीयता से जुड़े रहे।केंद्र सरकार की योजनाओं–मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, मेट्रो, कोस्टल रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग–का राजनीतिक लाभ भी भाजपा को मिला। अस्थिर गठबंधनों और बार-बार सरकार गिरने-बनने के अनुभवों के बाद मोदी मतदाताओं के लिए मजबूत और स्थिर नेतृत्व के प्रतीक बने। यही कारण है कि उनका चेहरा भाजपा के लिए सबसे प्रभावी वोट-मैग्नेट साबित हुआ। यदि इस जीत को रणनीतिक खेल माना जाए, तो अमित शाह उसके सबसे कुशल योजनाकार रहे। उनका सबसे बड़ा योगदान विपक्ष को भीतर से कमजोर करना रहा।

शिवसेना में विभाजन कर एकनाथ शिंदे को साथ लाना और फिर एनसीपी में टूट के जरिए अजित पवार को महायुति में शामिल करना–इन कदमों ने ठाकरे और पवार दोनों परिवारों की राजनीति की नींव हिला दी।यह रणनीति तात्कालिक नहीं थी। 2022 में शिवसेना विभाजन, 2023 में एनसीपी टूट, 2024 में विधानसभा चुनाव और 2026 में नगर निगमों पर नियंत्रण–यह एक लंबी अवधि की राजनीतिक योजना का हिस्सा था। सीटों का बँटवारा, उम्मीदवार चयन और सहयोगी दलों के बीच संतुलन दिल्ली से तय हुआ, जिससे वोटों का बिखराव रोका गया। आज विपक्ष की कमजोरी के पीछे अमित शाह की यही राजनीतिक सर्जरी सबसे बड़ा कारण मानी जा रही है।

मोदी और शाह की रणनीति को ज़मीन पर उतारने का काम देवेंद्र फडणवीस ने किया। 2014 से वे महाराष्ट्र में भाजपा के सबसे प्रभावी चेहरे रहे हैं। संगठन विस्तार, कैडर निर्माण और चुनावी प्रबंधन–हर स्तर पर उनकी पकड़ बनी रही।भाजपा, शिंदे गुट और अजित पवार गुट–तीन अलग-अलग राजनीतिक संस्कृतियों को एक साथ चलाना आसान नहीं था। फडणवीस ने टकराव को नियंत्रित किया, सीट शेयरिंग को संतुलित रखा और सरकार तथा संगठन के बीच सामंजस्य बनाए रखा।शहरी विकास उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा–मुंबई मेट्रो, कोस्टल रोड, समृद्धि महामार्ग और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने शहरी मतदाता को यह विश्वास दिलाया कि विकास की गति फडणवीस के दौर में तेज़ हुई है।यह चुनावी संदेश साफ है–आज की राजनीति में भावनात्मक नारे नहीं, बल्कि रणनीति, संगठन और स्थिर नेतृत्व निर्णायक भूमिका निभाते हैं। फिलहाल यह त्रिकोण महाराष्ट्र में सबसे मजबूत रूप में भाजपा के पास दिखाई देता है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

किसी भी जीवन में आपका एकमात्र दायित्व
स्वयं के प्रति सच्चा होना है।
–अज्ञात

निशाना

हम छोड़ दें ऐसी काया को..!

हम छोड दे ऐसी काया को, जिसका
यहाँ कोई मान नही ।
लिख दे ऐसी इबारत हम जिसकी
ओर किसी का ध्यान नहीं,
काम ऐसे करने होगे
जिनसे नयी राहे निकल जाये।
पिछड़ापन दूर हो समाज का ,
समृद्धि की राहे नजर आये।।
कहकर गुमराह नही करे
अंत भला नही होगा ।
जनता तो बेचारी निष्ठावान है
उनसे बुरा नही होगा ।।
यदि स्वाभिमान मरता है,
तो जीने मे कोई शान नही ।
हम छोड दें ऐसी काया को जिसका
यहां कोई मान नही।।

वीरेंद्र कुमार बड़गैयाँ

बेस्ट डील्स

ऐसी खरीदने के लिए बेस्ट महीना है जनवरी, बचत के साथ बेस्ट ऑप्शंस

जनवरी में एयर कंडीशनर (AC) खरीदना, सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यह आपके हजारों रुपये बचा सकता है। गर्मियां आने से पहले अगर आप नया एयर कंडीशनर खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो जनवरी का महीना आपके लिए सबसे सही समय साबित हो सकता है। आमतौर पर लोग मार्च-अप्रैल में इसे खरीदते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स मानते हैं कि ऑफ-सीजन में खरीदारी करने से कीमत कम, ज्यादा ऑप्शन और बेहतर सर्विस जैसी सुविधाएं मिलती हैं। जनवरी में ना तो डिमांड ज्यादा होती है और ना ही इंस्टॉलेशन के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। साथ ही, सेल भी चलती है, जिसमें एसी पर तगड़े ऑफर्स होते हैं। जनवरी में ऐसीखरीदना वाकई फायदेमंद है या नहीं? एक्सपर्ट कुछ ऐसी अहम बातें बताते हैं जो AC खरीदते समय आपके पैसे भी बचाएंगी और सही फैसला लेने में मदद करेंगी।

दरअसल जनवरी में सेल कम होने के कारण कंपनियां एसी की कीमतें भी कम कर देती हैं। साथ ही, पुराना स्टॉक खत्म करने के लिए भी कम कीमतों में एसी बेचे जाते हैं। वहीं, गर्मियों में ज्यादा डिमांड और कम स्टॉक के कारण प्राइस बढ़ जाते हैं। इसलिए अभी एसी खरीदना फायदेमंद होगा। जनवरी में Amazon और Flipkart जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइट पर Republic Day Sale आती हैं। इसमें एसी पर तगड़ा ऑफर मिलता है। साथ ही, आप अपने पुराने एसी को अच्छी कीमत में एक्सचेंज भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आपके पास एसी को मासिक किस्त पर भी खरीदने का मौका है। अलग-अलग बैंक के कार्ड पर डिस्काउंट भी दिया जाता है। इस तरह सस्ते में अच्छी एसी खरीद सकते हैं।

इंस्टॉलेशन में दिक्कत नहीं : इन दिनों एसी के टेक्नीशियन फ्री होते हैं। ऐसे में वे अच्छी तरह और समय से इंस्टॉलेशन कर देते हैं। गर्मियों के सीजन में ऐसी के मैकेनिक बहुत बिजी होते हैं और जल्दी-जल्दी में एसी लगा जाता है। इससे एसी की गलत फिटिंग और गैस लीक जैसी दिक्कतें आ सकती हैं। इस कारण जनवरी में एसी खरीदने से आप इन सब झंझटों से भी बच जाते हैं। जनवरी में बहुत कम लोग एसी खरीदते हैं और नए साल की निर्मित यूनिट बड़ी संख्या में स्टॉक में होती हैं। आप अपनी सुविधा और पसंद के अनुसार कोई भी मॉडल खरीद सकते हैं।

सामजिक विविधता कमजोरी नहीं, शांति- सुरक्षा और प्रगति के लिए आपसी संवाद ज़रूरी

प्रो. जसीम मोहम्मद
स्तंभकार

पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपालजी को सुनने का अवसर मिला। उन्होंने स्पष्ट रूप से इस बात पर ज़ोर दिया कि हिंदू-मुसलमानों के बीच आपसी संवाद का मकसद मुसलमानों को आरएसएस के नज़रिए को मानने के लिए बाध्य करना नहीं है, बल्कि उनकी चिंताओं और कठिनाइयों को ईमानदारी से समझना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय समाज की संवाद परंपरा यह मानती है कि हर तर्क में कुछ सचाई होती है। आपस में सिर्फ़ एक-दूसरे पर आरोप लगाने या अलग-अलग पक्षों द्वारा सांप्रदायिक उन्माद की घटनाओं का उल्लेख करने से कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने यह उल्लेख किया कि सांप्रदायिक तनाव की असली जड़ 'दूसरों को अलग-थलग करने' में है, जबकि समावेशी स्वरूप में समाज को एकजुट करने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक घटनाएँ कारण नहीं बल्कि लक्षण हैं। हिंदुओं से भी शिकायतें हैं, उनमें भी कमियाँ है, जिन्हें ईमानदारी और पारदर्शिता से दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि असल में युवा पेशेवरों को कौन कट्टरपंथी बनाता है? उन्होंने चेतावनी दी कि चरमपंथी घटनाओं के बाद अक्सर निर्दोष मुसलमानों को गलत तरीके से निशाना बनाया जाता है- जैसे किराए आदि पर उन्हें घर देने से मना करना या पेशेवर जाँच। इनसे अविश्वास और गहरा होता है और अनसुलझी ऐतिहासिक शिकायतें फिर से उभर आती हैं। यह मानते हुए कि ज़्यादातर मुसलमान राष्ट्रवादी हैं, उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस पहचान को खुले तौर पर ज़ाहिर करने में हिचकिचाते हैं।

इस अवसर पर कृष्णगोपाल जी ने जवाहरलाल नेहरू के सन् 1948 ई. में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने के आह्वान को याद किया। उन्होंने यह कहते हुए बात खत्म की कि इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता। संवाद में हिस्सा लेनेवाले सिर्फ़ उत्प्रेरक का काम कर सकते हैं। सच्ची सद्भावना तभी पैदा होगी जब हिंदू और मुसलमान दोनों ईमानदारी और आपसी सद्भावना के साथ आगे आएँगे। डॉ. कृष्ण गोपालजी का यह विचार स्वाभाविक रूप से हमें एकता के अर्थ के बारे में एक बड़े और ज़्यादा स्थायी सवाल की ओर ले जाता है। अगर संवाद का मकसद 'दूसरों को अलग-थलग करने' को कम करना और शक की जगह समझ पैदा करना है, तो एकता को विश्वास की समानता या तौर-तरीकों की एकरूपता के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, इसे अलग-अलग धर्मों, विचारों और जीवन जीने के तरीकों वाले लोगों की गरिमा और आपसी सम्मान के साथ एक साथ रहने की क्षमता के रूप में समझा जाना चाहिए। एकता का मतलब ज़रूरी नहीं कि सभी के लिए एक जैसा साझा विचार/प्रार्थना/जीवनशैली हो बल्कि इसका मतलब है कि हर किसी को यह समझ हो कि जो लोग उनसे अलग सोचते हैं/काम करते हैं और रहते हैं, उनके साथ शांति और आपसी सम्मान से कैसे रहा जाए।

इसका एक उदाहरण भारत जैसे देश का है, जहाँ कई अलग-अलग धर्म, संस्कृति, भाषाएँ और रीति-रिवाज साथ-साथ मौजूद हैं। हम भारतीयों के लिए समग्र रूप से एकता की भावना के माध्यम से अपने रिश्ते को मज़बूत करना महत्वपूर्ण है, जिससे देश में शांति बनी रहे। समाज में आपसी एकता की कमी से छोटे-मोटे मतभेद गंभीर चिंता या झगड़ों में बदल सकते हैं। इसके विपरीत, अगर लोगों के बीच आपसी एकता और समन्वय का मज़बूत रिश्ता हो, तो वे छोटे-बड़े मतभेदों को समझदारी और इज़्ज़त के साथ सुलझा पाएँगे। भारत का इतिहास स्पष्ट रूप से दिखाता है कि सामाजिक विविधता कोई कमज़ोरी नहीं है। हज़ारों सालों से इस देश ने अलग-अलग धर्मों और विचारों का स्वागत किया है। हिंदू धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म, सिख धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और कई दूसरी परंपराएँ यहाँ फली-फूली हैं और रोज़मर्रा की ज़िंदगी, खानेपीने, कपड़ों, भाषा और मूल्यों में एक-दूसरे को प्रभावित किया है। यह साझा सभ्यता और संस्कृति का सफर साबित करता है कि भारत में साथ रहना ज़बरदस्ती नहीं है; यह स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि भारत की वास्तविक शक्ति हर नागरिक को धर्म की पूरी आज़ादी देने में है। उन्होंने साफ कहा है कि हर व्यक्ति को बिना किसी ज़बरदस्ती या दबाव के अपनी पसंद का धर्म मानने, बनाए रखने या अपनाने का पूरा-पूरा अधिकार है। साथ ही, उन्होंने मज़बूती से कहा है कि किसी भी धार्मिक समूह को- चाहे वह बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, खुलेआम या चुपके से नफ़रत फैलाने या सामाजिक सद्भाव को ज़हर देने का कोई अधिकार नहीं है। यह संतुलित तरीक़ा, जो धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है और नफ़रत और बंटवारे के खिलाफ एक साफ लाइन खींचता है, संवैधानिक मूल्यों और सभ्यता की नैतिकता में निहित शासन के दर्शन को दिखाता है। आस्था की स्वतंत्रता और सांप्रदायिक भड़कावे के लिए ज़ीरो टॉलरेंस दोनों पर ज़ोर देकर प्रधानमंत्री ने लगातार अंतर-धार्मिक सद्भाव को शांति, राष्ट्रीय एकता और भारत की लंबी अवधि की प्रगति के लिए एक ज़रूरी स्तंभ के रूप में बढ़ावा दिया है। सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने की इसी भावना के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी भारत में अलग-अलग विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सम्मान की आवश्यकता के विषय में बात की है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया है कि सामाजिक सद्भाव भारत की एकता और अखंडता की नींव है। हमें विविधता को बाँटना नहीं चाहिए बल्कि अलग-अलग धर्मों और पृष्ठभूमि के लोगों के बीच आपसी संबंधों को और भी मज़बूत करना चाहिए।

ऐतिहासिक दस्तावेज़ एवं घटनाक्रम हमें दिखाते हैं कि सांप्रदायिक सद्भाव वाले सह-अस्तित्व को विभिन्न प्रयासों से बनाए रखना चाहिए, न कि इसे अपने आप बन जाने की अपेक्षा के लिए छोड़ देना चाहिए। अगर संबंधित सभी पक्षों के बीच आपसी रचनात्मक बातचीत का कोई भी अवसर उपलब्ध नहीं है, तो इसके कारण और अधिक गलतफहमियाँ पैदा होंगी। इसलिए, यह ज़रूरी है कि धार्मिक नेता, विद्वान और आम जनता एक-दूसरे के साथ नियमित बातचीत और संवाद करें; यह किसी भी गलतफहमी को बड़े बँटवारे या दरार में बदलने से रोकने में सहायता मिल सकती है। एक शांतिपूर्ण और एकजुट समाज लोकतंत्र को मज़बूत करता है। लोकतंत्र केवल चुनावों से ही नहीं बल्कि नागरिकों के बीच आपसी समझ और सम्मान से भी जीवित रहता है। जब लोगों को लगता है कि उनके धर्म और पहचान का सम्मान किया जाता है तो वे राष्ट्र के सामाजिक जीवन में ज़्यादा सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इसलिए, अंतर धार्मिक सद्भाव लोकतांत्रिक स्थिरता और राष्ट्रीय अखंडता का समर्थन करता है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

दाहिने कंधे में दर्द, खुजली जैसे लक्षण भी देते हैं लिवर की बीमारी के संकेत

लिवर शरीर के सबसे अहम अंगों में से एक है, जो खून को फिल्टर करने, पाचन के लिए पित्त बनाने, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने समेत शरीर को हेल्दी रखने के लिए 500 से भी ज्यादा काम करता है। अब सोचिए इस अंग का हेल्दी रखना कितना ज्यादा जरूरी है।

लिवर खराब होने के लक्षण क्या हैं? हालांकि आज के समय में खराब लाइफस्टाइल, गलत खानपान और बुरी आदतों के चलते लिवर से जुड़ी बीमारियां आम होती जा रही हैं और कई लिवर डिजीज देरी होने पर ही पता चलते हैं क्योंकि अक्सर लोग इसके शुरुआती संकेतों को इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। लिवर में जब कुछ गड़बड़ी आती है तो आपको कुछ जरूरी सिग्नल मिलने लग जाते हैं बस जरूरी है कि आप उन पर गौर करके वक्त रहते ही सही कदम उठाएं। डॉक्टर एरिक बर्ग के अनुसार कुछ लक्षण हैं जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि आपका लिवर मदद चाह रहा है।

कुछ संकेतों को नजरअंदाज न करें : जब अंदरूनी ऑर्गन्स में गड़बड़ी आती है तो शरीर चुप नहीं रहता है बल्कि आपको कुछ दिखने और महसूस होने वाले संकेत भेजता है ताकि आप इन पर गौर करके स्थिति को गंभीर होने से बचा लें। उसी तरह लिवर भी जब अंदर से कमजोर या बीमार होने लगता है, तो मदद के लिए आपको कई सिग्नल्स भेजता है, जिन्हें आपको कभी इग्नोर नहीं करना चाहिए।

दाहिने कंधे में दर्द: क्या आपको भी अक्सर राइट शोल्डर में दर्द होता है? अगर हां तो ये कोई सामान्य बात नहीं है बल्कि एक चेतावनी संकेत हो सकता है। अब आप सोच रहे होंगे कि लिवर और कंधे में क्या संबंध? दरअसल, लिवर दाहिनी ओर होता है और यह दर्द को एक नस के जरिए आपकी गर्दन के दाहिनी ओर भेजता है। ऐसे में अक्सर रहने वाले दर्द को इग्नोर न करें।

स्किन में खुजली महसूस होना: लिवर फंक्शन में कुछ गड़बड़ी होने पर त्वचा में खुजली भी महसूस हो सकती है। जब आपको लिवर से संबंधित बीमारी होती है तो पित्त आपके लिवर में, आपके ब्लड में और आपके टिशू में वापस चला जाता है। जिससे खुजली होती है।

रात में जागना: इसके अलावा अगर आप रोज रात में 1 से 3 बजे के बीच जागते हैं तो समझ जाइए कि आपके लिवर में कुछ गड़बड़ है। डॉक्टर का कहना कि यह एक क्लासिक ब्लड शुगर प्रॉब्लम है। जहां आपकी ब्लड शुगर गिर जाती है और फिर उसे बढ़ाने के लिए एड्रेनालाईन सक्रिय हो जाता है, जिससे आप जाग जाते हैं।

खाने के बाद ब्लोटिंग: लिवर का खराब होना आपकी पाचन क्रिया को भी प्रभावित करता है, जिससे आपको खाना खाने के बाद ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। अगर आपके साथ अक्सर ऐसा हो रहा है तो सतर्क हो जाएं।

विधायक विजयपाल सिंह के प्रयासों से मिली नर्मदापुरम-पिपरिया फोरलेन को मंजूरी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात मिल गई है। नर्मदापुरम-पिपरिया-बनखेड़ी फोरलेन मार्ग के निर्माण का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। यह उपलब्धि पूरी तरह विधायक विजयपाल सिंह के लगातार और अथक प्रयासों का नतीजा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माखननगर दौरे के दौरान इस महत्वाकांक्षी परियोजना को हरी झंडी दे दी, जो सीधे विजयपाल सिंह के बार-बार आग्रह का नतीजा है।यह फोरलेन मार्ग पहले ही बजट वर्ष 2023-24 में स्वीकृत हो चुका था, लेकिन स्टेट फाइनेंस कमेटी (एस एफ सी) की मंजूरी लंबित होने से काम शुरू नहीं हो पा रहा था। विधायक श्री सिंह ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से कई बार व्यक्तिगत भेंट की। उन्होंने फोरलेन की जरूरत पर जोर देते हुए एसएफसी स्वीकृति दिलाने, निविदा जारी करने और निर्माण जल्द शुरू कराने का आग्रह किया। समय-समय पर पत्र भी लिखे गए, जिसमें यातायात की भारी समस्या और क्षेत्रीय विकास पर फोकस किया गया।मुख्यमंत्री ने विधायक श्री सिंह के इन सतत प्रयासों को सराहा और माखननगर आगमन के मौके पर परियोजना को औपचारिक मंजूरी दे दी। इस मार्ग से माखननगर, सेमरी, सोहागपुर और शोभापुर जैसे व्यस्त इलाके जुड़ेंगे, जहां रोजाना भारी वाहनों का दबाव रहता है। पुराना मार्ग संकीर्ण होने से दुर्घटनाएं आम हैं, लेकिन फोरलेन बनने से यातायात सुगम हो जाएगा। यात्रियों को कम समय लगेगा, ईंधन बचेगा और आसपास के व्यापार को नई रफ्तार मिलेगी। नर्मदापुरम जिले का समग्र विकास भी तेज होगा, क्योंकि यह मार्ग प्रमुख शहरों को जोड़ेगा। विधायक विजयपाल सिंह ने कहा, लम्बे समय से यह जनता की मांग थी। मैंने मुख्यमंत्री से कई दौर की बातचीत की और आखिरकार सफलता मिली। अब जल्द निर्माण शुरू होगा। इस उपलब्धि पर सोहागपुर के भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक विजयपाल सिंह का आभार मना रहे हैं।

आज विधानसभा क्षेत्र में रहेंगे दिग्विजय, मसूड़ी और देवपुर पहुंचेंगे

सिरोंज। राज्यसभा सदस्य दिग्विजयसिंह आज सिरोंज और लटेरी क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। ये जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस सचिव विनोद सेन बताया कि दिग्विजय सिंह सोमवार को भोपाल मार्ग से सबसे पहले लटेरी पहुंचेंगे। वे यहां पर ग्राम मसूड़ी में पहुंचेंगे। यहां पर वे बैरसिया सड़क दुर्घटना में मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 2 बजे देवपुर पहुंचेंगे। यहां पर उप कांग्रेस कमेटी देवपुर द्वारा पंचायत कांग्रेस समिति का गठन एवं मनरेगा बचाओ अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। शाम 5 बजे वे यहीं से बीना के लिए रवाना हो जाएंगे। इधर मसूड़ी पहुंचे भाजपा नेता और कार्यकर्ता बैरसिया में हुए सड़क हादसे में मृत हुए लोगों के परिजनों से मिलने के लिए रविवार को क्षेत्र के भाजपा नेता ग्राम मसूड़ी पहुंचे। लटेरी मंडल अध्यक्ष रामगुलाम राजोरिया के साथ पहुंचे भाजपा नेताओं ने अहिरवार परिवार के समक्ष सांत्वना व्यक्त करते हुए उन्हें मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाले आर्थिक सहायता की जानकारी दी।

धूमधाम से निकली भगवान कृष्ण की बारात

गंजबसौदा। सदर बाजार स्थित मुरली मनोहर मंदिर में एक माह से चल रहे खिचड़ी उत्सव के दौरान रविवार मौनी अमावस्या पर भगवान कृष्ण की बारात निकाली गई। मुरली मनोहर मंदिर से जुड़े पुजारी वल्लभ भार्गव ने बताया कि बारात चाचा वाली गली राम मंदिर के पास से निकली जो मुख्य मार्ग गांधी चौक सदर बाजार होते हुए मुरली मनोहर मंदिर पहुंची बारात में महिलाए भी नृत्य करते हुए चल रही थी जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया गया। बारात मुरली मनोहर मंदिर पहुंची जहां स्वागत हुआ रुक्मणी के साथ विवाह संस्कार संपन्न हुआ उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के पैर पखारे। मंगलवार दूज के दिन एक माह तक आयोजित हो रहे खिचड़ी उत्सव का समापन हो जाएगा।

राजपूत महासभा बुन्देलखंड संगठन की बैठक

गंजबासौदा। रविवार को स्थानीय दांगी धर्मशाला में दांगी कछवाहा देलणपोता राजपूत महासभा बुन्देलखण्ड संगठन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कुल देवी जमवाय माता को दीप प्रज्वलित कर पुष्प माला चढ़ाकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया संगठन के अध्यक्ष राहुल सिंह ठाकुर परसौरा के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर बुन्देलखण्ड एवं आसपास के जिलों से समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, बुद्धिजीवी, महिला पदाधिकारी एवं युवा प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को समाप्त कर संगठन को सशक्त बनाना तथा भावी पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार और इतिहास से जोड़ना रहा। बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. बलबहादुर सिंह दांगी भोपाल, डॉ. सुरेंद्र सिंह ठाकुर शहरवासा, भोपाल सुशीला राजा ठाकुर प्रदेश महिला अध्यक्ष विदिशा, कलावती ठाकुर भोपाल, डॉ. राकेश सिंह ठाकुर बेदनखेड़ी, भगवत सिंह दांगी , दशरथ सिंह दांगी नेताजी, प्रमोद सिंह दांगी, लोकेंद्र दांगी युवा अध्यक्ष, बृजेंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। नशामुक्ति एवं दहेज प्रथा के खिलाफ सख्त संकल्प बैठक में सर्वसम्मति से समाज को नशा मुक्त बनाने एवं दहेज प्रथा को पूर्णतः बंद करने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेल रहा है और दहेज जैसी कुप्रथा समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है। इसके विरुद्ध गांव-गांव एवं शहर-शहर जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। युवाओं की शिक्षा और संगठन से जुड़ाव पर विशेष जोर दिया बैठक में युवाओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं तकनीकी शिक्षा की ओर प्रेरित करने पर विशेष चर्चा हुई। समाज के वरिष्ठों ने कहा कि शिक्षित युवा ही समाज की असली ताकत हैं। युवाओं को संगठन से जोड़कर नेतृत्व की जिम्मेदारी देने का भी प्रस्ताव रखा गया।

हिंदू सम्मेलन को लेकर विधायक पहुंचे बस्ती में, पीले चावल देकर किया आमंत्रित

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नगर में 20 जनवरी को तारण तरण पाठशाला मैदान में होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन एवं संत समागम को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में आयोजित इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। वार्ड क्रमांक 8 की विभिन्न बस्तियों में घर-घर जाकर पीले चावल एवं पत्रक वितरित कर नागरिकों को सम्मेलन, कलश यात्रा एवं विशाल भंडारे में शामिल होने का आमंत्रण दिया जा रहा है। जनसंपर्क अभियान में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, पार्षद प्रतिनिधि राजू ठाकुर, नगर पालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर सहित वार्ड के अनेक गणमान्य नागरिक सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जनप्रतिनिधि स्वयं बस्तियों में पहुंचकर समाजजनों से संवाद कर रहे हैं और अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचने का आह्वान कर रहे हैं। ज्ञात हो कि इस विराट हिंदू सम्मेलन में सनातन धर्म की प्रमुख पीठ रामानंदाचार्य संप्रदाय के जगद्गुरु एवं काशी पीठाधीश्वर डॉ. राम कमलाचार्य वेदांती धर्मसभा को संबोधित करेंगे। हाल ही में हुए भूमिपूजन के दौरान संत समाज एवं धर्माचार्यों ने सम्मेलन में 50 हजार से अधिक हिंदुओं की सहभागिता का लक्ष्य रखा है। आयोजकों का कहना है कि यह सम्मेलन सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक एकता व धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। नगरवासियों में सम्मेलन को लेकर उत्साह का माहौल है और इसे अब तक के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक माना जा रहा है। इस अभियान में वीरेंद्र रघुवंशी, रामरतन सेन, भगवान सिंह दद्दू, रवि भावसार, सचिन आचार्य, तरवर कुशवाह, आशीष रघुवंशी, अखिलेश पंथी, विशाल दांगी, रानू मालवीय, संजय सिलावट, यशु पटवा, सतीश पंथी, अनुज डागा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

टावर से बैटरी चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 3 गिरफ्तार

ओबैदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज स्थानीय पुलिस ने भोजपुर स्थित इंडस टावर पर हुई चोरी की वारदात का मात्र 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया 1.50 लाख रुपये का माल (मशरूका) भी बरामद कर लिया है। बीती 16 जनवरी की रात करीब 10 बजे फरियादी अजय कुमार पाल को सिस्टम के जरिए टावर साइट डाउन होने की सूचना मिली थी। जब वे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, तो वहां दो संदिग्ध मोटरसाइकिलें खड़ी मिलीं और 3-4 युवक टावर से कूदकर भागते नजर आए। जांच करने पर पता चला कि चोरों ने ज्ञश्च कंपनी की दो बैटरियां और करीब 15 फीट केबल पार कर दी थी। पुलिस ने धारा 303(2) क्ब्हस् के तहत मामला दर्ज किया था। एसडीओपी शीला सुराणा और थाना प्रभारी बी.पी. सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मुखबिरों की सूचना पर घेराबंदी कर विशाल वाल्मिक (18), अंकित लौवंशी (27) और एक नाबालिग को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में सउनि राजू यादव, संजीव त्यागी और आरक्षक रोहित व अशोक यादव की सराहनीय भूमिका रही।

जांच अभियान : 11 बसों पर चालानी कार्रवाई

नर्मदापुरम। कलेक्टर के निर्देशों पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) रिंकु शर्मा के नेतृत्व में नर्मदापुरम बस स्टैंड पर रविवार को विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान में परिवहन निरीक्षक अनिमेष जैन के साथ 25 से अधिक बसों की सघन जांच की गई।जांच के दौरान कई बसों में 10 किलोग्राम से कम क्षमता के अग्निशामक यंत्र पाए गए, जबकि कुछ में इनकी वैधता समाप्त हो चुकी थी। इसके अलावा, अनधिकृत अतिरिक्त एलईडी लाइटें लगाने के मामले भी सामने आए। इन उल्लंघनों पर कुल 11 बसों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई।अधिकारियों ने बस चालकों को सख्त हिदायतें दीं कि वे वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, प्रत्येक बस में मेडिकल बॉक्स और 10 किलोग्राम क्षमता का वैध अग्निशामक यंत्र रखें। साथ ही, अतिरिक्त एलईडी लाइट न लगाएं, यात्रियों से अधिक किराया न लें और उनके साथ शालीन व्यवहार बनाए रखें।आरटीओ रिंकु शर्मा ने चेतावनी दी कि बिना वैध परमिट के बस चलाने पर मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम की धारा 13(2)(क) के तहत प्रति सीट 1000 रुपये कर तथा मोटर यान अधिनियम की धारा 192(क) के अंतर्गत 10,000 रुपये शमन शुल्क वसूला जाएगा। ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

घाटों पर किया भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रण

मां नर्मदा प्रकटोत्सव और नगर गौरव दिवस की तैयारियां तेज, मनभावन रंगों से सज रहे घाट

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

25 जनवरी को मां नर्मदा जन्मोत्सव और नगर गौरव दिवस मनाने के लिए तैयारियां नगरपालिका ने तेज कर दी है। घाटों को रंग बिरंगे रंगों से सजाया गया है। वहीं दीवारों पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का चित्रकारों द्वारा चित्रण किया गया जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। उपयंत्री आयुष रिछारिया ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर मां नर्मदा जयंती और नगर गौरव दिवस की तैयारियां की जा रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित थीम पर कार्य किया जा रहा है। पर्यटन घाट पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उठाए गए गोवर्धन पर्वत का चित्रण किया है तो वहीं घाटों पर सुदर्शन चक्र, शंख और लीलाओं की कथाओं मनभावन चित्रण किया गया है। चित्रकारों द्वारा जीवंत चित्र बनाए गए हैं, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

तैयारियों में जुटी नपा की टीम : शनिवार को मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती पटले द्वारा घाट का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान तैयारियां संबंधी कार्य की समीक्षा की और घाट पर साफ सफाई रखने के निर्देश दिए थे। नपा की समूची टीम तैयारियों में जुटी है।

घाटों पर गंदगी न करें : नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा बताया गया कि 25 जनवरी को मां नर्मदा का जन्मोत्सव और नगर गौरव दिवस भक्ति भावना और धूमधाम से मनाया जाएगा। घाटों की रंगाई पुताई चल रही है। विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसलिए समस्त नागरिकों से आग्रह है कि वे मां नर्मदा के घाटों पर किसी भी प्रकार की गंदगी न करें। घाटों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

नर्मदा स्नान को जा रहे थे, पिकअप दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

मृतकों को दो लाख एवं घायलों को 50 हजार की सहायता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मकर संक्रांति पर्व पर होशंगाबाद में नर्मदा स्नान के लिए पिकअप वाहन से जा रहे श्रद्धालुओं का बीती 14 जनवरी की रात को सरस्वती विद्या बिहार संस्थान बैरसिया के पास में हुए एक्सीडेंट में मृतकों एवं घायलों के लिए मध्यप्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विधायक उमाकांत शर्मा की मांग एवं अनुशंसा पर सहायता राशि प्रदान करने के आदेश जारी किए हैं। जिसमें मृतकों के परिजनों को दो दो लाख रुपए एवं गंभीर रूप से घायलों को पचास पचास हजार रु की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय हे कि पर्व स्नान के लिए सिरोंज लटेरी क्षेत्र के लोग सामूहिक रूप से एक लोडिंग पिकअप वाहन से देर शाम होशंगाबाद के लिए निकले थे। सिरोंज से करीब 65 किमी दूर बैरसिया के पास एक अन्य वाहन से भिड़ंत में पिकअप वाहन में सवार व्यक्तियों में से 5 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था जबकि दस व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए थे। घटना की जानकारी लगने पर सिरोंज लटेरी क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा तत्काल रूप से मुख्यमंत्री,प्रभारी मंत्री सहित भोपाल,विदिशा कलेक्टर एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत करते हुए राहत एवं उपचार की सहायता उपलब्ध करवाई थी। एवं मुख्यमंत्री स्वेच्छनुदान से पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करवाने का अनुरोध किया था। घटना के दो दिन बाद प्रशासन ने विधायक शर्मा की अनुशंसा पर मृतकों को दो लाख एवं घायलों को 50 हजार प्रति व्यक्ति के मान से कुल पंद्रह लाख रुपए की राशि का आवंटन पीड़ित परिजनों को किया है। इस मौके पर विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि संकट की घड़ी में मध्यप्रदेश के संवेदनशीलमुख्यमंत्री,भाजपा सरकार एवं मैं स्वयं पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूँ । शर्मा ने आगे भी अपनी स्वेच्छानुदान राशि से भी पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत करने का आश्वासन प्रदान किया है ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रामकिशोर हुआ स्वागत

गंजबासौदा। सारथी विश्वकर्मा समाज कल्याण सेवा संगठन भारत की एक बैठक में सर्व सम्मति से रामकिशोर विश्वकर्मा को सारथी विश्वकर्मा समाज कल्याण सेवा संगठन भारत का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति होने पर समाज बंधुओं ने विदिशा पहुंचकर राष्टीय अध्यक्ष रामकिशोर विश्वकर्मा का फूल मालाओं से स्वागत कर बधाई शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विदिशा, गंजबासौदा सहित आसपास के क्षेत्रों से आए समाज बंधु उपस्थित रहे। नवनियुक्त राष्टीय अध्यक्ष रामकिशोर विश्वकर्मा का कहना है कि में हमेशा समाज सेवा के प्रति सदैव समर्पित रहूंगा।

दीपक की अग्रिम जमानत निरस्त

सिरोंज। भगवान राम पर अमार्यादित टिप्पणी करने वाले युवक दीपक अहिरवार की अग्रिम जमानत की अर्जी सिरोंज न्यायालय से निरस्त हो गई है। द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय कुमार पाण्डेय के न्यायालय में दीपक के वकील ने अग्रिम जमानत की याचिका लगाई थी। उसके वकील ने वीडियो को तोड़ मरोड़कर वायरल करने की बात कहते हुए उसे जमानत पर रिहा करने की गुजारिश न्यायालय से की। मामले में राज्य की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक संदीप बघेल ने आपत्ति दर्ज करते अपराध गंभीर स्वरूप का बताते हुए उसकी जमानत के आवेदन को निरस्त करने का निवेदन किया। मामले में न्यायालय ने दीपक की अग्रिम जमानत की अर्जी का निरस्त कर दिया है। आरोपी दीपक अहिरवार पठारी थाना क्षेत्र के ग्राम कोसी का रहने वाला है।

मेट्रो एंकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हो रहा है आयोजन, हिंदू समाज को दिया एकजुटता का संदेश

वक्ता बोले - पंच परिवर्तन को जीवन में उतारें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे हिन्दू सम्मेलन की धूप रविवार को शहर में दिखाई दी। संघ की चार बस्तियों में आयोजित कार्यक्रमों में हजारों हिन्दू जुटे। गणेश बस्ती का आयोजन भैरों पठार पर स्थित भैरों मंदिर परिसर, सुभाष बस्ती का आयोजन लिंक रोड पर स्थित मंगल भवन परिसर, संत रविदास बस्ती का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तथा जटाशंकर बस्ती के हिन्दू सम्मेलन का आयोजन संस्कार गार्डन में हुआ। सभी जगहों पर आयोजन स्थल को पारंपरिक रूप प्रदान किया गया था। भारत माता के चित्र के साथ ही परिसर को भगवा झण्डों के साथ ही क्रांतिकारियों और महापुरूषों की तस्वीरों से सजाया गया था। गणेश बस्ती में लगाए गए मंच पर किन्नर समुदाय के मुखिया ज्योति नायक को भी जगह दी गई थी। यहां पर किन्नर समुदाय के सभी सदस्य भी पूरे समय मौजूद रहे।

पंच परिवर्तन की जानकारी: हिन्दू सम्मेलनों के दौरान सभी मंचों पर समाज की सेवा में तत्पर संत के साथ ही मातृ शक्ति स्वरूप महिला को स्थान दिया गया था। इसके साथ ही मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी का वक्तव्य खास था। सभी वक्ताओ ने पंच परिवर्तनों पर्यावरण संरक्षण, कुटम्ब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार, सामाजिक समरसता और स्वदेशी के भाव की जानकारी देते हुए इन्हें अपने परिवार और समाज के जीवन में उतारने की बात कही। इस अवसर पर सभी स्थानों पर भारत माता की संगीतमयी और सामूहिक आरती भी की गई।

अब दो बस्तियों में और होंगे आयोजन

राष्ट्रीय स्वयं संघ ने संगठन की दृष्टि से सिरोंज शहर को आठ बस्तियों में विभाजित किया है। इनमें एक सप्ताह के भीतर 6 बस्तियों में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन हो चुका है। अब हनुमान बस्ती और मदनमोहन बस्ती में हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन और होना है। जिसकी तैयारियां बस्ती प्रमुखों द्वारा की जा रही हैं।

सभी बस्तियों में हुआ समरसता भोज

आयोजन के दौरान सभी बस्तियों में समरसता भोज भी किया गया। सभी बस्तियों के समाज के सहयोग से ही हुए इस समरसता भोज में सभी समाज और वर्ग के सदस्यों ने एक साथ बैठकर भोजन किया और सामूहिक रूप से परोस व्यवस्था को भी संभाला। सांस्कृतिक कार्यक्रम और बौद्धिक के बाद हुए इस समरसता भोज में संबंधित बस्ती के अधिकांश परिवारों ने सहभागिता की।

न्यूज विंडो

सरस्वती शिशु मंदिर में होगा विद्यारंभ संस्कार का आयोजन

कोटमा (अनूपपुर)। सरस्वती शिशु मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल, कोटमा (जिला अनूपपुर, मध्यप्रदेश) में बसंत पंचमी / सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर विद्यारंभ संस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 23 जनवरी 2026 को विद्यालय परिसर में संपन्न होगा। विद्यालय प्रबंधन द्वारा जानकारी दी गई कि यह विद्यारंभ संस्कार 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों के शैक्षिक जीवन की शुभ शुरुआत कराई जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 9:00 बजे सरस्वती पूजा प्रारंभ होगी, जबकि 11:00 बजे विद्यारंभ संस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। विद्यालय परिवार ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों के साथ इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

खेलों से सामूहिकता का विकास, प्रतिस्पर्धा की भावना होती है विकसित: विधायक

सागर। मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के खिलाड़ियों को एक सशक्त मंच प्रदान करने के उद्देश्य से खेलो एमपी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विकास खंड स्तर पर आयोजित 20 खेल प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विधायक शैलेंद्र कुमार जैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस आयोजन के अंतर्गत 28 खेलों में बालक-बालिका जूनियर आयु वर्ग के खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

कार्यक्रम के तहत पहले ब्लॉक स्तरीय चयन, उसके बाद जिला स्तरीय तथा फिर संभाग स्तरीय आयोजन होंगे। इसी क्रम में सागर के खेल परिसर में विकासखंड स्तर पर एथलेटिक्स, हॉकी, बॉक्सिंग, खो-खो, टेबल टेनिस, मलखंब, कुश्ती, जूडो, शतरंज, वेटलिफ्टिंग, फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेनिस, योगासन, रस्साकशी एवं कबड्डी सहित विभिन्न खेलों के ट्रायल आयोजित किए गए।

इन ट्रायल्स में जिले के 11 विकासखंडों से लगभग 900 खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इसके साथ ही सागर में पहली बार राज्य स्तरीय जूडो खेल प्रतियोगिता के आयोजन की भी जानकारी दी गई, जिससे जिले के खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। समारोह में विधायक जैन ने कहा कि जीवन में खेलों का होना अत्यंत आवश्यक है। खेल हमें खेल भावना सिखाते हैं, प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं और जीवन के उतार-चढ़ाव से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मसंतुष्टि के लिए भी अत्यंत उपयोगी हैं। कार्यक्रम का संचालन मंगल यादव ने किया गया।

भोजशाला | पूजा और नमाज एक साथ, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

बसंत पंचमी: वज्र, योद्धा जैसे अत्याधुनिक शस्त्रों से लैस वाहनों के साथ पुलिस जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

धार। दोपहर मेट्रो

आगामी 23 जनवरी को मनाए जाने वाले बसंत पंचमी पर्व को लेकर आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत करने और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से धार जिला पुलिस द्वारा शहर में भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया, इस फ्लैग मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स, जिला पुलिस एवं अन्य सशस्त्र बलों की कंपनियों सहित करीब 900 पुलिस जवान शामिल रहे। 23 जनवरी को बसंत पंचमी का त?यौहार है और इसी दिन मुस्लिम समाज भी भोजशाला में नमाज अदा करता है, इसी को लेकर प्रशासन अत्यधिक सर्तकता बरत रहा है।

रविवार को निकाले गए फ्लैग मार्च के दौरान वज्र, योद्धा जैसे अत्याधुनिक शस्त्रों से लैस वाहन मार्च की कतार में थे, किला ग्राउंड से शुरु हुआ फ्लैग मार्च झंडा चौपाटी, हटवाड़ा, मोहन टॉकीज, बस स्टैड़, कुम्हार गड्ढा होते हुए शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पहुंचा। मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स के रिजर्व जवान और स्थानीय पुलिस अधिकारी भी शामिल हुए।

900 से अधिक जवान हुए शामिल

फ्लैग मार्च में 900 से अधिक रिजर्व पुलिस जवान सहित 500 रैपिड एक्शन फोर्स के जवान शामिल हुए। फ्लैग मार्च सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने और उपद्रवियों पर नकेल कसने के लिए निकाला गया। आरएएफ के सेकंड-इन-कमांड मनीष गौरख महाले ने बताया कि यहाँ हमारी चार कंपनियां आई हैं, रैपिड एक्शन फोर्स के साथ 107 आरएएफ की चार कंपनियां हैं और भी रिक्विजिशन गई है और आने वाले दिनों में और चार कंपनियां और आएंगी।

20 जनवरी को मिलेगा 8 हजार जवानों का बल

एडीशनल एसपी विजय डावर ने बताया कि पास में दो हजार से पच्चीस सौ का बल जो आज के फ्लैग मार्च में था और 20 तारीख के आसपास 7 से 8 हजार का बल और आ जाएगा। अन्य कंपनियों का बल भी देर रात धार पहुंचा 20 जनवरी को 8 हजार का रिजर्व बल मिलने के बाद संपूर्ण जिले में डिप्लाय किया जाएगा। शांति व्यवस्था बनी रहे, किसी प्रकार की कोई लॉ-एंड-ऑर्डर की स्थिति निर्मित न हो, कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए फ्लैग मार्च निकाला गया था।

शानदार बल्लेबाजी के दम पर रेलवे बिलासपुर पहुंची सेमीफाइनल में, झांसी को दी सात विकटों से मात

शहडोल/बुढार। नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का चौथा क्वार्टर फाइनल रेलवे बिलासपुर और एनसीआर झांसी के बीच खेला गया, मैच में रेलवे बिलासपुर की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए एनसीआर झांसी पर 7 विकटों से जीत दर्ज।

टॉस जीतकर झांसी ने चुनी बल्लेबाजी, खड़ा किया चुनौतीपूर्ण स्कोर: मैच का टॉस एनसीआर झांसी ने जीता और कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, हालांकि झांसी की शुरुआत बहुत बेहतर नहीं रही लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत झांसी की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट पर 185 रनों का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया, झांसी की ओर से शानदार बल्लेबाजी हुए मयंक तिवारी ने 69 और अर्पित ने 30 रन बनाए, बिलासपुर की ओर से गेंदबाज विक्रांत ने 3 विकेट और प्रवीण ने 2

185 रनों के स्कोर को बौना साबित किया बिलासपुर ने

186 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर की टीम ने ताबड़तोड़ तरीके से अपनी बल्लेबाजी की शुरुआत की, पावर प्ले का फायदा उठाते हुए बिलासपुर की टीम ने शुरुआती 6 ओवरों में ही 75 रन बना कर झांसी के गेंदबाजों के हौंसले पस्त कर दिए, बिलासपुर की टीम ने अपनी पूरी पारी के दौरान झांसी के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और यह मैच महज 13.3 ओवरों में अपने नाम कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, बिलासपुर के कप्तान मोहित राउत ने आतिशी पारी खेलते हुए 36 गेंदों पर 92 एवं पवन ने 28 गेंदों पर 58 रन बनाए, बिलासपुर की टीम ने यह मैच 7 विकटों से जीत लिया। बिलासपुर टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले कप्तान मोहित राउत को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया, जिन्हें राकेश मिश्र एवं जुगुल मिश्रा ने पुरस्कृत किया।

अपराधियों पर सागर पुलिस की कार्रवाई

लूट के मामले में फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार, जेल भेजा

सागर. लूट जैसे गंभीर अपराध में फरार चल रहे आरोपी को थाना मोतीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर केन्द्रीय जेल भेजा है।

उल्लेखनीय है कि गत 8 दिसंबर को फरियादिया वैष्णवी पति नीलेश साहू, उम्र 22 वर्ष, निवासी विवेकानंद वार्ड ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फरियादिया ने बताया कि वह अपने पति नीलेश साहू के साथ मीरा अस्पताल के पास स्थित ऑनलाइन दुकान का संचालन करती है। 5 दिसंबर को दोपहर लगभग 12:30 बजे, जब फरियादिया दुकान पर बैठी थी एवं उसका पति दुकान के बाहर खड़ा था, उसी समय चार युवक यश सोनी, निशांत यादव, अजय पटैल एवं प्रशांत पटैल दुकान पर आए। आरोपियों द्वारा फरियादिया के पति को चाकू दिखाकर डराया-धमकाया गया, जिससे वह दुकान के अंदर आ गया। इसी दौरान आरोपी यश सोनी ने काउंटर पर रखे 10,000 हजार उठाकर भागने का प्रयास किया। फरियादिया एवं उसके पति द्वारा आरोपियों का पीछा किया गया, इस दौरान फरियादिया ने आरोपी यश सोनी को पकड़ लिया, परंतु आरोपी द्वारा धक्का देकर भाग गया। आरोपी मोटरसाइकिल एवं पैदल रास्तों से फरार हो गए। काफी तलाश के बाद आरोपियों के नहीं मिलने पर फरियादिया द्वारा थाना मोतीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना मोतीनगर में विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना मोतीनगर की विशेष टीम गठित की गई।

विवेचना के दौरान आरोपी निशांत यादव को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

निगम का उद्देश्य वार्ड के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना: महापौर

सागर। दोपहर मेट्रो

महापौर संगीता सुशील तिवारी ने नरयावली नाका वार्ड में मढिया नाका स्थित मंगल भवन के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी, एमआईसी सदस्य शैलेन्द्र ठाकुर, पार्षद कंचन सोमेश जड़िया, पार्षद प्रतिनिधि नरेश यादव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि मढिया नाका मंगल भवन के जीर्णोद्धार की मांग लंबे समय से पार्षद कंचन सोमेश जड़िया द्वारा की जा रही थी। नागरिकों की सुविधा और सामाजिक कार्यक्रमों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा इस कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई। मंगल भवन 20 लाख रुपए की लागत से बनाया गया है.

सुविधायुक्त यह सुव्यवस्थित मंगल भवन लोगों को बहुत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य वार्ड के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। महापौर ने नागरिकों से अपील की कि वार्ड से संबंधित कोई भी समस्या हो, तो उसे अवश्य अवगत कराएं.

डॉ. सुशील तिवारी ने कहा कि मंगल भवन का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हो चुका है और अब यह भवन क्षेत्र के नागरिकों के लिए विवाह, सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है।

देवरी चुनाव क्षेत्र अंतर्गत सभी 30 पोलिंग बूथों का निरीक्षण, सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम

देवरी नगर पालिका अध्यक्ष चुनाव को लेकर प्रशासन-पुलिस अलर्ट मोड पर

सागर। दोपहर मेट्रो

आगामी नगर पालिका अध्यक्ष पद के निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं निर्भीक वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना देवरी चुनाव क्षेत्र अंतर्गत प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सघन तैयारियाँ की जा रही हैं।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा एवं अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडी एम मुनव्वर खान, तहसीलदार प्रीतिरानी चौरसिया एसडीओपी शशिकांत सरयाम थाना प्रभारी देवरी हरिराम मानकर द्वारा चुनाव क्षेत्र देवरी अंतर्गत स्थित समस्त 30 पोलिंग बूथों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील बिंदुओं, मतदान प्रक्रिया एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, दबाव, भय अथवा अनुचित गतिविधि को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक पोलिंग बूथ पर पर्याप्त पुलिस बल, आवश्यक संसाधन एवं त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सभी 30 पोलिंग बूथों को सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया गया है तथा संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस एवं प्रशासन की टीमें हर समय अलर्ट मोड पर रहेंगी ताकि आम मतदाता बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि मतदान के दौरान आचार संहिता का कड़ाई से पालन, असामाजिक तत्वों पर सतत निगरानी एवं किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन एवं पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निडर होकर लोकतंत्र के इस पर्व में सहभागिता निभाएं, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें तथा शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

मेट्रो एंकर | णमोकार तीर्थ क्षेत्र में 6 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित होगा अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याण प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव

तीर्थंकर भगवान के माता-पिता की गोद भराई 'सौधर्म इंद्र' का हुआ सम्मान

सागर। दोपहर मेट्रो

महाराष्ट्र प्रांत स्थित श्री णमोकार तीर्थ क्षेत्र में 06 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक गणधराचार्य श्री 108 कुंथुसागर जी महाराज के मंगल आशिर्वाद एवं प्रज्ञाश्रमण सरस्वताचार्य सर्वोदयी राष्ट्र संत 108 आचार्य श्री देवनन्दी जी महाराज के मंगल सानिध्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पंचकल्याण प्राणप्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव में प्रतिष्ठित होने वाली भगवान तीर्थंकर की प्रतिमा का आगमन सागर के रामपुरा वार्ड में सुनीता-मुकेश जैन हीरापुर वालो के निवास पर हुआ।

प्रतिमा की आगवानी के अवसर पर भजनो के बुलौआ एवं पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान तीर्थंकर के माता-पिता की गोद भराई एवं महोत्सव के सौधर्मइंद्र का सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया गया . आयोजन में बड़ी संख्या में जैन समाज की महिलाओं ने भाग लिया एवं पूर्ण भक्तिभाव से भजन गायन कर जिनबिम्ब की भक्ति की एवं विभिन्न द्रवो से भगवान के माता-पिता की गोद भराई की एवं सौधर्म इंद्र एवं सचि इन्द्राणी का सम्मान कर उनके मंगल पुण्य की अनुमोदना की। मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन बताया की आयोजन उपरान्त पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान तीर्थंकर के माता-पिता शाहगढ निवासी बेनी बाई -सुरेशचंद(दाऊ) ,बंडा निवासी पुष्पा-सुरेश (हल्लू) एवं सौधर्म इंद्र रत्नप्रभा मुकेश जैन ने रामपुरा वार्ड में विराजमान पूज्य मुनि श्री 108 निस्कंप सागर जी एवं मुनि श्री 108 निष्काम सागर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं श्री णमोकार तीर्थ में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव की विस्तृत जानकारी देकर पूज्य मुनि संघ को श्रीफल भेंट कर महोत्सव हेतु आमंत्रित किया। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि आशुतोष पराग बजाज,भाजपा जिला मंत्री पप्पू फुसकेले,रविकांत सेठ,श्रेयांश जैन,अमित चौधरी,मुकेश जैन, प्रमोद जैन,डॉ.आनंद जैन, अरिहंत जैन सहित बुंदेलखंड गुरुभक्त परिवार के सदस्य एवं सधर्मी जन शामिल हुए।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: GEM/2026/B/7108837

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** हाइरिंग ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी पर्सनल फॉर नॉन कोर एरिया (वॉच एंड वार्ड एंड विदाउट आर्म्स) एट सीआरडब्ल्यूएस/भोपाल **कार्य की लागत:** ₹ 1,37,14,426.10/- **निविदा फ़ॉर्म का मूल्य:** शून्य **धरोहर राशि/ईएमडी राशि:** ₹ 2,18,600/- **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 685 दिन **ऑनलाइन निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक:** 07.02.2026, 11:00 बजे तक **निविदा खुलने की दिनांक एवं समय:** 07.02.2026, 11.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट **http://bidplus.gem.gov.in** पर उपलब्ध है।

(हस्ता.)

मुख्य कारख़ाना प्रबंधक, सडिपुका, निशातपुरा, प.म.रे.,भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पहले टेस्ट अब वनडे, गंभीर युग में एक और शर्मनाक रिकॉर्ड.

न्यूजीलैंड ने 37 साल बाद इंदौर में 7 वनडे सीरीज का सूखा किया खत्म

इंदौर, एजेंसी

भारतीय टीम इंदौर वनडे में रविवार को 338 रन का टारगेट हासिल नहीं हासिल नहीं कर सकी। विराट कोहली का शतक और हर्षित राणा का अर्धशतक केवल हार का अंतर कम कर सका। न्यूजीलैंड ने पहली बार भारतीय धरती पर वनडे सीरीज जीती है। यह 7 वनडे सीरीज और 37 साल बाद हुआ है। इंदौर में हारकर टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के सामने तीन वनडे की सीरीज 2-1 से गंवा दी। इंदौर में खेले गए आखिरी मुकाबले को कीवी टीम ने 41 रन से जीता। भारत को जीत के लिए 338 रन का लक्ष्य मिला था। विराट कोहली के 124 रन के बावजूद टीम इंडिया 46 ओवर में 296 रन पर ढेर हो गई। न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल के 137 और ग्लेन फिलिप्स के 106 रन के बूते आठ विकेट पर 337 रन का स्कोर खड़ा किया था।

अक्टूबर 2024 में कोचिंग संभालने के कुछ महीनों बाद गंभीर कम से कम तीन मैचों की घरेलू सीरीज में व्हाइटवॉश होने वाले पहले भारतीय कोच बने। न्यूजीलैंड जिसने पहली बार 1955-56 में भारत का दौरा किया था, कभी भी भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया था। लेकिन इस बार कीवी टीम ने 3-0 से सीरीज जीती। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम को 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार था जब भारतीय टीम को अपने घर पर तीन या उससे ज्यादा मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। अब इसी तरह वनडे सीरीज में भारत का रिकॉर्ड खराब हुआ। जब 37 साल और 7 वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड ने भारत में कोई वनडे सीरीज जीती है।

ऐसा रहा है वनडे सीरीज का इतिहास

दोनों देशों के बीच 50 ओवरों की सीरीज का इतिहास 1988 के दिसंबर में शुरू हुआ था। तब से अब तक कुल 7 बाइलेट्रल (द्विपक्षीय) सीरीज हो चुकी हैं। भारत ने हर बार न्यूजीलैंड को पटखनी दी है। न्यूजीलैंड की टीम भारत की सरजमीं पर कोई वनडे खेलने 1987 के वर्ल्ड कप में आई थी। लेकिन वो एक मल्टीनेशन टूर्नामेंट था। लेकिन पहली बार कीवी टीम ने कोई वनडे सीरीज 1988 के दिसंबर में शुरू हुई थी, तब भारत ने 4 मैचों की सीरीज में 4-0 से हराया था। जनवरी 2023 में न्यूजीलैंड की टीम वनडे सीरीज खेलने भारत आई थी। जहां भारत ने क्लीनस्वीप किया था। लेकिन अब न्यूजीलैंड ने सीरीज 2-1 से जीत ली। वडोदरा में भारतीय टीम जीती थी, उसके बाद राजकोट और अब इंदौर में टीम इंडिया ने जीती।

वनडे सीरीज गंवाने के बाद कप्तान शुभमन का छलका दर्द

निर्णायक मुकाबले में टीम इंडिया के फीके प्रदर्शन पर खुलकर नाराजगी जताई

इंदौर, एजेंसी

भारत की वनडे सीरीज हार के बाद कप्तान शुभमन गिल का दर्द छलक ही पड़ा। निर्णायक मुकाबले में टीम इंडिया के फीके प्रदर्शन पर उन्होंने खुलकर नाराजगी जताई और बताया कि कहां चूक हुई, साथ ही किस कारण सीरीज हाथ से निकल गई। शुभमन ने कहा कि टीम 1-1 से बराबरी पर थी और निर्णायक मैच में जिस तरह खेल दिखाना चाहिए था, वैसा बिल्कुल नहीं दिखा।

भारतीय कप्तान ने माना कि खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौकों पर गलतियां दोहराईं और योजनाओं पर अमल सही तरीके से नहीं हो पाया। शुभमन ने किसी एक खिलाड़ी को दोष नहीं दिया, लेकिन यह साफ था कि वह टॉप-ऑर्डर की नाकामी, गैर-जिम्मेदाराना शॉट चयन, फील्डिंग में लगातार चूकों से बेहद नाराज थे।

कोहली-हर्षित की जमकर की तारीफ

शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा, पहले मैच के बाद जब हम यहां 1-1 की स्थिति में आए और जिस तरह हमने खेला, वह निराशाजनक था। कुछ ऐसे एरियाज हैं जिन पर हमें पीछे मुड़कर देखना होगा, आत्मचिंतन करना होगा और बेहतर करना होगा। शुभमन ने विराट कोहली और हर्षित राणा की जमकर तारीफ की।

शुभमन गिल कहते हैं, विराट भाई जिस तरह बल्लेबाज़ी कर रहे हैं, वह हमेशा ही हमारे लिए बड़ा प्लस है। हर्षित ने भी जिस तरह सीरीज में बल्लेबाजी की है, खासकर नंबर-8 पर खेलना आसान नहीं होता। लेकिन उन्होंने जिस तरह आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाई है, वह

काबिल-ए-तारीफ है। तेज गेंदबाजों ने भी इस सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

शुभमन गिल ने आगे कहा, वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए हम नीतीश कुमार रेड्डी को अवसर देना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि जब वह मैदान पर हों, तो उन्हें पर्याप्त ओवर मिलें, ताकि हम देख सकें कि हमारे लिए कौन-सा कॉम्बिनेशन अच्छा काम करेगा और उनके लिए कौन-सी गेंदें अधिक प्रभावी रहती हैं। न्यूजीलैंड की इस ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीत में स्टार बल्लेबाज डेरिल मिचेल की अहम भूमिका रही। मिचेल ने दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से इस सीरीज में 176 की औसत से कुल 352 रन बनाए। मिचेल को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

कोहली के न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक

विराट कोहली ने वनडे में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। कोहली ने सिर्फ 36 पारियों में 7 शतक लगा दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग और वीरेंद्र सहवाग के नाम था, जिन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 6-6 शतक लगाए थे। इतना ही नहीं, तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) को मिलाकर भी कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस दौरान उन्होंने साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस के 9 शतकों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। कोहली के करियर की बात करें तो यह उनके वनडे का 54वां, इंटरनेशनल क्रिकेट का 85वां और भारत में खेलते हुए 41वां शतक रहा। इसके साथ ही कोहली ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

वैभव ने बांग्लादेश के खिलाफ पकड़ा गजब का कैच, याद आ गए सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी इस समय गजब के फॉर्म में चल रहे हैं और अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार अपनी उपयोगिता साबित कर रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ हुए मुकाबले में उन्होंने ना सिर्फ बल्ले से अहम योगदान दिया, बल्कि फील्डिंग में भी मैच जिताऊ प्रदर्शन किया।इस दौरान उन्होंने एक ऐसा कैच पकड़ा, जिससे सूर्यकुमार यादव याद आ गए।

बुलावायो में बारिश से प्रभावित इस वनडे मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.4 ओवर में 238 रन बनाए। शुरुआत में भारतीय टीम को झटके लगे, जब कप्तान आयुष म्हात्रे और वेदांत त्रिवेदी जल्दी आउट हो गए। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज अल फहद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और अभिग्यान कुंडू ने पारी संभाली। वैभव ने 67 गेंदों पर 72 रन की समझदारी भरी पारी खेली, जबकि कुंडू ने 112 गेंदों पर 80 रन बनाए।

26 ओवर साबित हुआ मैच का टर्निंग प्वाइंट

मैच का टर्निंग पॉइंट 26वां ओवर साबित हुआ, जब सामिउन बासिर रातुल ने लॉन्ग-ऑफ की दिशा में बड़ा शॉट खेला। गेंद बाउंड्री पार जाती दिख रही थी, लेकिन वैभव सूर्यवंशी ने शानदार दौड़ लगाकर पहले कैच लिया, फिर खुद को संतुलित करते हुए गेंद हवा में उछाली और मैदान के अंदर आकर कैच पूरा किया। इस कैच की तुलना सूर्यकुमार यादव के 2024 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में डेविड मिलर के खिलाफ पकड़े गए ऐतिहासिक कैच से की जा रही है। इसके बाद भारत ने लगातार विकेट चटकाए। विहान मल्होत्रा ने 4 विकेट लेकर बांग्लादेश की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

अब भारत में आयोजित हो रहे टी20 वर्ल्ड कप में ले पाएंगे भाग

पाक मूल के इंग्लिश खिलाड़ियों को मिला वीजा

लंदन, एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तानी मूल खिलाड़ियों के वीजा को लेकर चल रही अनिश्चितता अब समाप्त हो गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने औपचारिक रूप से हस्तक्षेप करते हुए सभी 42 मामलों की निगरानी अपने हाथ में ले ली है, ताकि किसी टीम की तैयारी एवं लॉजिस्टिक्स पर असर न पड़े। पाकिस्तानी मूल के तीन इंग्लिश खिलाड़ियों आदिल राशिद, रेहान अहमद और साकिब महमूद के वीजा स्वीकृत हो चुके हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक नीदरलैंड्स टीम के सदस्यों को भी वीजा मिल चुका है। कनाडा टीम के सपोर्ट सदस्य शाह सलीम जफर को भी अनुमति प्रदान कर दी गई है।

संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम

अली खान और शयान जहांगीर, जबकि नीदरलैंड्स के स्क्वॉड में जुल्फिकार साकिब जैसे पाकिस्तानी मूल खिलाड़ी शामिल हैं। संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, बांग्लादेश और कनाडा टीमों में शामिल पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा अपॉइंटमेंट अगले सप्ताह निर्धारित कर दिए गए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रतिभागियों के लिए वीजा जारी करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी तय है। आईसीसी की यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पाकिस्तान-मूल के खिलाड़ी कई फुल मेम्बर्स और एसोसिएट देशों में फैले हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने विभिन्न भारतीय उच्चायोगों के साथ समन्वय बढ़ाते हुए सुनिश्चित किया है कि किसी भी आवेदन पर देरी न हो। आईसीसी को आश्वासन मिला है कि बाकी लंबित फाइलें भी निर्धारित समय सीमा में निपटा दी जाएंगी।भारत में पाकिस्तानी मूल के आवेदकों पर सामान्यतः अतिरिक्त सुरक्षा जांच की जाती है, जिससे प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से लंबी हो जाती है। हालांकि आईसीसी के सक्रिय हस्तक्षेप के बाद यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि वीजा संबंधी सभी औपचारिकताएं समय पर पूरी होंगी। इसके चलते सभी टीम्स 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बातों-बातों में हुआ खुलासा

फराह खान की बीएमडब्ल्यू कार से घूमते हैं कुक दिलीप, कोरियोग्राफर हुईं हैरान

बॉलीवुड कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान आजकल अपने यूट्यूब व्लॉग्स के जरिए लोगों का खूब मनोरंजन कर रही हैं। उनके व्लॉग्स की सबसे बड़ी खासियत उनका कुक दिलीप है, जो अपनी सादगी और फराह के साथ अपनी नोक-झोंक की वजह से अब एक स्टार बन चुका है। अब हाल ही में दिलीप ने ऐसा खुलासा किया कि फराह भी हैरान हो गईं। ये सभी को पता है कि अक्सर फराह के व्लॉग्स में दिलीप ही सारी लाइमलाइट बटोर ले जाता है, लेकिन उनके व्लॉग्स में कुछ ऐसा हुआ जिसने खुद फराह खान को भी हैरान कर दिया। दिलीप ने मजाक-मजाक में यह कुबूल कर लिया कि वह फराह की कीमती BMW कार का

इस्तेमाल घूमने-फिरने के लिए करता है। यह सुनकर फराह का रिएक्शन देखने लायक था। फराह खान अपने ताजा एपिसोड में अपने कुक दिलीप के साथ %बिग बॉस 19% के कंटेस्टेंट और स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणित मोरे के मुंबई स्थित घर पहुंची थीं। वहां किचन में खाना बनाने के दौरान बातचीत का दौर चल रहा था और प्रणित अपने संघर्ष के दिनों की कहानियां सुना रहे थे। तभी बातचीत में एक मजेदार मोड़ आया जब प्रणित के पिता ने फराह के पिछले वीडियो में दिखी एक लग्जरी कार का जिक्र छेड़ दिया।

बात निकली तो हंसने लगीं फराह

जब कार की बात निकली, तो फराह खान हंसने लगीं. उन्होंने साफ किया कि दिलीप आज भी अपने टू-व्हीलर से ही आना-जाना करता है. उन्होंने मजाक में दिलीप से पूछा, क्यों रे, तूने अपनी खुद की गाड़ी खरीद ली है क्या? इस पर दिलीप ने जो जवाब दिया, उसने सबको चुप करा दिया. दिलीप ने बड़े ही कैजुअल अंदाज में कहा, अरे वो आपकी BMW वाली है ना. यह सुनते ही पूरा कमरा हंसी के ठहाकों से गूंज उठा।

कश्मीर में शूटिंग से उत्साहित निहारिका चौकसे, बोलीं-

टीवी एक्ट्रेस निहारिका चौकसे को जीटीवी के लोकप्रिय शो तुम से तुम तक में दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। शो में प्यारी और मासूम अनु का किरदार निभा रही निहारिका ने हाल ही में कश्मीर में हुई शूटिंग को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। यूनिट ने कश्मीर के खूबसूरत लोकेशन पर शूटिंग की, जहां बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल ने सीन्स को और भी शानदार बना दिया। निहारिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, हमारी कश्मीर

अनु-आर्य का प्रपोजल सीक्वेंस होगा यादगार

ट्रिप बहुत अच्छी चल रही है। हम यहां अभी तीन और दिनों के लिए हैं और यह शेड्यूल बहुत खास होने वाला है। इसमें शो के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले पलों में से एक दिखाया जाएगा यानी अनु (निहारिका) और आर्य (शरद केलकर) का प्रपोजल। उन्होंने आगे बताया, आने वाले एपिसोड्स में दर्शक अनु को आर्य सर को बचाते हुए देखेंगे। सभी इमोशनल उतार-चढ़ाव के बाद, आर्य सर आखिरकार अपनी फीलिंग्स जाहिर करेंगे और अनु को प्रपोज करेंगे। यह उनकी जर्नी में एक बहुत महत्वपूर्ण और खूबसूरत मोड़ है। पूरी टीम इसे यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

कश्मीर को बताया पसंदीदा जगह

कश्मीर के बारे में निहारिका ने बताया कि यह उनकी पांचवीं या छठी ट्रिप है। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं कश्मीर आती हूं, तो यह उतना ही नया लगता है। कश्मीर सच में मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है और धरती पर स्वर्ग जैसा लगता है। बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल हमारे सीन्स में चार चांद लगा देते हैं। खाने के बारे में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, हम लोकल खाना का भी मजा ले रहे हैं और बेशक, मैं बहुत सारी मैगी खा रही हूं। इस ठंड में गर्म कटोरी मैगी का स्वाद बहुत शानदार और सुकून देने वाला होता है।

पीएमजी 3000 से अधिक परियोजनाओं की कर रहा निगरानी : पीयूष गोयल

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। सरकार का प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) फिलहाल 78 लाख करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले 3,000 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स की निगरानी कर रहा है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि अब तक पीएमजी ने 94 प्रतिशत मामलों में समस्याओं का समाधान कर दिया है, जिससे विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद मिली है।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के साथ विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के विजन को आगे बढ़ाते हुए पीएमजी बड़े प्रोजेक्ट्स के कार्यान्वयन को तेज करने के लिए एक अहम संस्थागत व्यवस्था बना हुआ है।÷ उन्होंने कहा कि तय समय में समस्याओं का समाधान करने और अड़चनों को दूर करने के कारण पीएमजी भारत की परियोजना क्रियान्वयन व्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। पियूष गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे भारत विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, पीएमजी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो रही है। इससे प्रोजेक्ट्स तेजी से पूरे हो रहे हैं, निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और कारोबार करने में आसानी हुई है।

घरेलू स्तर पर मांग मजबूत, आम बजट में सुधारों को जारी रखने पर हो फोकस : सीआईआई

नई दिल्ली। भारत में व्यवसायों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है और घरेलू स्तर पर मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। ऐसे में सरकार से आम बजट 2026-27 में सुधारों को जारी रखने की उम्मीद है। यह बयान भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को जारी हुए ताजा बिजनेस आउटलुक सर्वे में दिया गया। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) में सीआईआई का बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स लगातार तीसरी तिमाही बढ़कर 66.5 हो गया है, जो कि बीते पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है।

रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनियां मांग, मुनाफे और निवेश की परिस्थितियों को लेकर आशावादी हैं। सीआईआई के सर्वे में बताया गया कि वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में दो-तिहाई कंपनियों ने मजबूत मांग दर्ज की है, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 72 प्रतिशत कंपनियों का मानना है कि मांग आने वाले समय में बढ़ सकती है। इसकी वजह जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन के दौरान खर्च में बढ़ोतरी होना है।

इसके अलावा सर्वे में कहा गया कि कंपनियों की हायरिंग और निवेश की योजनाएं सकारात्मक बनी हुई हैं। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि बढ़ते आत्मविश्वास से उद्योग की वैश्विक चुनौतियों से निपटने की क्षमता उजागर होती है, जिसे मजबूत घरेलू मांग और घरेलू सुधारों का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनियां आने वाले महीनों में विकास की गति में और तेजी आने की उम्मीद करती हैं।

समुंदर जैसा स्टेडियम बना आकर्षण का केंद्र

सऊदी अरब को वर्ष 2034 में होने वाले फीफा विश्व कप की मेजबानी मिली है। इसके मद्देनजर सऊदी अरब ने अरामको स्टेडियम बनाने की शुरुआत कर दी है। यह अत्याधुनिक स्टेडियम देश के पूर्वी तट पर स्थित शहर अल खोबर में बनाया जा रहा है। अरामको स्टेडियम में 2034 फीफा वर्ल्ड कप के कई मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इसमें करीब 46,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। यह स्टेडियम लगभग 8,00,000 स्क्वायर मीटर क्षेत्र में फैला होगा। इस स्टेडियम का डिजाइन समंदर में उठने वाली लहरों जैसा है।अरामको स्टेडियम स्टेडियम देश के पूर्वी तट में बसे शहर अल खोबर में बनाया जा रहा है। इस स्टेडियम में 2034 में होने वाले वर्ल्ड कप की मेजबानी होगी। इससे पहले स्टेडियम में 2027 में होने वाले एएफसी एशियन कप के मैच भी खेले जाएंगे।अरामको स्टेडियम इस समय तैयार हो रहा है।

न्यूज विंडो

बस 15 फीट नीचे गिरकर पलटी 12 यात्रियों को आईं गंभीर चोटें

बाराबंकी। लखनऊ-अयोध्या नेशनल हाईवे पर शहर कोतवाली क्षेत्र में रात करीब तीन बजे गोरखपुर से दिल्ली जा रही रोडवेज बस अंडरपास के पास करीब 15 फीट नीचे जा गिरी और पलट गई। चीख पुकार सुनने के बाद के बीच हाईवे से गुजर रहे अन्य वाहनों ने पुलिस को सूचना दी। कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच भारी पुलिस बल ने राहत और बचाव शुरू किया। बस में करीब 55 यात्री सवार थे। हादसे में करीब 20 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। मौके पर पहुंचे सीओ सिटी संगम कुमार स्वयं राहत और बचाव कार्य में लग रहे। घायलों का इलाज किया जा रहा है।

मुलायम परिवार में आई बड़ी फूट बेटे प्रतीक लेंगे अपर्णा से तलाक

लखनऊ। सपा नेता मुलायम सिंह यादव के परिवार में बड़ी फूट सामने आई है। मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव ने अपनी पत्नी अपर्णा यादव को तलाक देने का ऐलान कर दिया है। प्रतीक यादव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपर्णा यादव की तस्वीर पोस्ट करके लिखा, 'मैं जल्द से जल्द इस मतलबी औरत को तलाक देने जा रहा हूं। उसने मेरे पारिवारिक रिश्ते खराब कर दिए। वह बस मशहूर और प्रभावशाली बनना चाहती है। अभी मेरी मानसिक हालत बहुत खराब है और उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि उसे सिर्फ अपनी ही फिक्र है। मैंने इतनी बुरी आत्मा कभी नहीं देखी और मेरा दुर्भाग्य था कि मैंने उससे शादी की।'

डॉक्टर का मोबाइल चोरी कर यूपीआइ से 2.26 लाख निकाले

रायपुर। मोबाइल चोरी के बाद डिजिटल ठगी की गई है। आजाद चौक थाना क्षेत्र अंतर्गत समता कालोनी निवासी नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. निधि ग्वालरे का अज्ञात आरोपित ने पहले मोबाइल चोरी किया। फिर उसी मोबाइल से यूपीआइ का दुरुपयोग कर उनके बैंक खाते से दो लाख 26 हजार 562 रुपये निकाल लिए।डॉ निधि वर्तमान में नया रायपुर स्थित संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं भवन में डिप्टी डायरेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। वे 13 जनवरी को समता एक्सप्रेस से दिल्ली से रायपुर पहुंचीं। सुबह करीब साढ़े पांच बजे स्टेशन पर उतरने के बाद आटो से अपने घर समता कालोनी गईं। घर पहुंचने के बाद करीब सात बजे जब उन्होंने अपने पिट्ठू बैग की साइड पाकेट चेक की तो मोबाइल फोन गायब था।प्रारंभ में उन्होंने मोबाइल गुम होने की सूचना आजाद चौक थाने में दी और संबंधित सिम को बंद कराया। इसके बाद उन्होंने नया मोबाइल लेकर उसी नंबर का सिम पुनः चालू कराया। इसी बीच 16 जनवरी को उनके मोबाइल पर स्टेट बैंक आफ इंडिया से खाते से पांच हजार रुपये डेबिट होने का मैसेज आया। संदेह होने पर वे कचहरी स्थित बैंक शाखा जाकर स्टेटमेंट निकलवाया। स्टेटमेंट से पता चला कि 13 से 16 जनवरी के बीच अज्ञात व्यक्ति ने यूपीआइ के माध्यम से उनके खाते से अलग-अलग किस्तों में कुल दो लाख 26 हजार 562 रुपये पार दिए हैं।

बीएमसी नतीजों के बाद भाजपा और शिवसेना के बीच खींचतान लगातार जारी

शिवसेना बोली- एक साल मेयर हमारा टाइगर अभी जिंदा है: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र नगर निगम और बीएमसी चुनावों में मिली शानदार जीत के बाद बीजेपी और शिवसेना के बीच मामला फंस गया है। सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना ने एक साल के लिए मेयर पद के लिए नई मांग रख दी है। शिवसेना की दलील है कि 23 जनवरी को बालासाहब ठाकरे की जन्म शताब्दी है। ऐसे में बाला साहेब को ट्रिब्यूट के तौर पर मुंबई का मेयर पद पहले साल के लिए शिवसेना को दिया जाए। इस बीच अब शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने भी बीएमसी के मेयर पद के चुनाव को लेकर बड़ा दावा कर दिया है।

संजय राउत ने आगे कहा- 'मैंने ऐसा कब कहा कि मेयर नहीं बनेगा? मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं। हम विकल्प देखेंगे, आप चिंता क्यों कर रहे हैं? हम देखेंगे कि आपके गणित में कितने नंबर आए थे 10वीं में पहले वह देखिए, फिर गणित की बात कीजिए। भाजपा वाले अपने मेयर की बात करते हैं, एकनाथ शिंदे के पास पूरे 30 नगरसेवक भी नहीं हैं, वह अपने मेयर की बात करते हैं। अब जिन्हें (मेयर) बनाना है, वे बना लेंगे। हम लोग अभी भी हैं न, 'टाइगर अभी जिंदा है'। अभी भी शिवसेना और हमारे साथियों के पास ऐसा आँकड़ा है जो उन्हें चुनौती दे सकता है। लेकिन कभी-कभी मज़ा भी लेना चाहिए, तो यह मज़ा लेने की बात चल रही है हमारे खेमे में।'

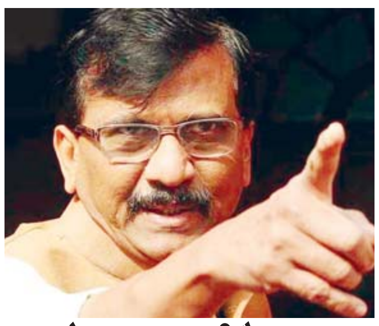

उद्धव सेना चल सकती है बड़ा दांव

सूत्रों के अनुसार, एकनाथ शिंदे शिवसेना का मेयर ना बने और शिंदे शिवसेना की बार्गेनिंग पावर कम करने के लिए उद्धव शिवसेना दांव खेल सकती है। एकनाथ शिंदे को मुंबई महापालिका में बड़ा झटका लग सकता है। ये झटका उद्धव ठाकरे की तरफ से दिया जा सकता है। बीएमसी मेयर चुनाव के दौरान वोटिंग के समय उद्धव ठाकरे के सभी पार्षद सदन से वाक आउट कर सकते हैं जिससे सदन की संख्या कम हो जाएगी और बीजेपी को बहुमत सिद्ध करने में आसानी होगी और एकनाथ शिंदे का मोल तोल कम हो सकता है। हालांकि, अभी तक ऑफिशियली किसी ने इस तरह का बयान नहीं दिया है।

ओवैसी ने गरीब विजय उबाले को दिया टिकट, रच दिया इतिहास

बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव इस बार भले ही खुले तौर पर धार्मिक बयानबाजी के साये में हुए हों, लेकिन नतीजों ने यह साफ कर दिया कि जमीन पर काम और सामाजिक मुद्दे पहचान की राजनीति पर भारी पड़े। असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरी है। मुस्लिमों की पार्टी बताई जाने वाली एआईएमआईएम ने धार्मिक सीमाओं से बाहर निकलते हुए एक दलित हिंदू उम्मीदवार को टिकट देकर न सिर्फ जीत दिलाई, बल्कि बीएमसी के इतिहास में एक नई इबारत भी लिख दी। गोवंडी से AIMIM के 33 वर्षीय नेता विजय उबाले बीएमसी में चुने गए सबसे गरीब पार्षदों में शामिल हैं। उनके पास कुल संपत्ति महज 1.15 लाख रुपये है और उनके नाम कोई घर तक दर्ज नहीं है। इसके बावजूद, असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली AIMIM ने उन पर भरोसा जताया और इस भरोसे को उबाले ने जीत में बदल दिया।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप ने दी चेतावनी

समय आ गया है, अब एक्शन लेना होगा...

वाशिंगटन। वेनेजुएला के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की नजरें ग्रीनलैंड पर टिकी हैं। ट्रंप आए दिन ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी देते हैं। अब उन्होंने ग्रीनलैंड से रूसी खतरे को हटाने का संकल्प ले लिया है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि डेनमार्क काफी समय से रूस के खतरे को ग्रीनलैंड से दूर करने की कोशिश कर रहा है। अब समय आ गया है। इस कोशिश को सफल किया जाएगा।ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, 'नाटो पिछले 20 साल से डेनमार्क से कह रहा है कि उसे रूसी खतरे को दूर करना होगा। दुर्भाग्यवश डेनमार्क इस बारे में अब तक कुछ भी नहीं कर सका है। मगर, अब समय आ गया है। इसपर जरूर एक्शन लिया जाएगा।'

व्हाइट हाउस से लेकर डेनिश प्रेजिडेंसी, यूरोपियन यूनियन और डेनमार्क के विदेश मंत्रालय ने अभी तक ट्रंप के बयान पर चुप्पी साध रखी है। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि उन्हें ग्रीनलैंड का मालिकाना हक चाहिए।

ग्रीनलैंड पर दी थी धमकी

डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने साफ किया है कि ये उपमहाद्वीप बेचने के लिए नहीं है और न ही ये कभी अमेरिका का हिस्सा बनेगा। ट्रंप ने यूरोपिय देशों को धमकी दी थी कि अगर ग्रीनलैंड नहीं दिया, तो ट्रंप सभ देशों पर टैरिफ लगा देंगे।ग्रीनलैंड में रूस और चीन की मौजूदगी का हवाला देकर ट्रंप इसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बता रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि नाटो के सुरक्षा पैक्ट में ग्रीनलैंड भी शामिल है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन : कन्फर्म टिकट कैंसिल कराने पर रिफंड नहीं मिलेगा!

नई दिल्ली। अगर आप वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में सफर करने का प्लान बना रहे हैं तो पहले कुछ नियम जान लीजिए। ये नियम कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन से जुड़े हैं। यात्रियों को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का कन्फर्म टिकट कैंसिल कराना महंगा पड़ेगा। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक अगर आपने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का कन्फर्म टिकट खरीदा है और उसे कभी भी कैंसिल कराते हैं, तो टिकट की कीमत का कम से कम 25% कट जाएगा। यह नियम टिकट खरीदने के बाद कभी भी लागू होगा।वहीं अगर आप ट्रेन के तय समय से 72 घंटे पहले से लेकर 8 घंटे पहले तक टिकट कैंसिल कराते हैं, तो आपको टिकट की कीमत का 50% भुगतान करना होगा। यानी, आधी रकम कट जाएगी। अगर आप ट्रेन के तय समय से 8 घंटे पहले से कम समय में टिकट कैंसिल कराते हैं, तो आपको कोई भी रिफंड नहीं मिलेगा। रेलवे ने यह नियम इसलिए बनाया है क्योंकि अब रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन के तय समय से 8 घंटे पहले तैयार किए जाएंगे। पहले यह समय सिर्फ 4 घंटे पहले का था।

ईरान में अब तक 3,766 लोगों के मारे जाने की पुष्टि, 24 हजार हुए गिरफ्तार

तेहरान। ईरान में प्रदर्शनों के बीच बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। एक अमेरिकी एजेंसी ने जानकारी दी है कि अब तक ईरान में प्रदर्शन के दौरान 3,766 लोगों के मारे जाने की जानकारी सामने आई है। ये मौतें देशभर में जारी प्रदर्शनों को रोकने के लिए की गई कार्रवाई में हुई है। जानकारी ये भी दी गई है कि लोगों की मौत का आंकड़ा और ज्यादा बढ़ सकता है। हालांकि, अब तक ईरान की सरकार ने मृतकों को लेकर स्पष्ट जानकारी शेयर नहीं की है।ईरान में प्रदर्शन के दौरान हजारों लोगों के मारे जाने का दावा अमेरिका आधारित एक मानवाधिकार संस्था 'द ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी' ने जारी किया है।

स्पेन में दो हाई-स्पीड ट्रेनों की जोरदार टक्कर, 39 की मौत, 73 हुए घायल

कोर्डोबा, एजेंसी

स्पेन के कोर्डोबा प्रांत में एक भीषण रेल दुर्घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। एडामुज स्टेशन के पास दो हाई-स्पीड ट्रेनों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई और 73 यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। यह हादसा स्पेन के आधुनिक रेल इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक माना जा रहा है। बचाव दल और प्रशासन फिलहाल मलबे में फंसे लोगों को निकालने और ट्रैक को बहाल करने के प्रयासों में जुटे हुए हैं।

यह दुर्घटना शाम करीब 5:40 बजे हुई। मालागा से मैड्रिड की ओर जा रही निजी ऑपरेटर की हाई-स्पीड ट्रेन अचानक पटरी से उतरकर दूसरे ट्रैक पर जा पहुंची। इसी दौरान विपरीत दिशा से मैड्रिड-हुएलवा मार्ग पर आ रही दूसरी ट्रेन से इसकी भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रेनों के इंजन और शुरुआती डिब्बे

पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे यात्रियों को संभलने का मौका भी नहीं मिला।हादसे के तुरंत बाद अंडालूसिया की आपातकालीन सेवाओं ने मोर्चा संभाला। मौके पर दर्जनों एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और विशेष मेडिकल टीमें तैनात की गई हैं। कई डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ जाने के कारण यात्रियों को निकालने के लिए भारी मशीनों और कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। घायलों को कोर्डोबा और आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मेट्रो एंकर

60 करोड़ रुपये का बंगला होगा और बड़ा, एक नया फ्लोर बनाया जाएगा

सनी-बॉबी मिलकर करवा रहे 'धर्मेंद्र हाउस' का रेनोवेशन

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के 'हीमैन' धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं हैं। उनको गुजरे हुए 56 दिन बीत चुके हैं। परिवार उन्हें हर पल याद कर रहा है और साथ ही गम से बाहर निकलने की कोशिश भी कर रहा है। अब खबर है कि जिस आवास में उनका पूरा परिवार रहता है, जिसका नाम 'धर्मेंद्र हाउस' है और वह जुहू में स्थित है। उसमें सनी देओल-बॉबी देओल एक और फ्लोर बनवाने जा रहे हैं। बता दें कि इस आलीशान बंगले की कीमत 60 करोड़ रुपये बताई जाती है। और ये ऐतिहासिक प्रॉपर्टी और भी बड़ी होने वाली है।

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र के जुहू वाले बंगले में एक और फ्लोर बनाया जाएगा। उनके आशियाने के परिसर में क्रेन को जाते हुए भी देखा गया था। और छत पर भी काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि उनके दोनों बेटे सनी देओल और बॉबी देओल अपने घर में एक और फ्लोर बढ़ाने जा रहे हैं। बंगले के पास रह रहे एक व्यक्ति ने कहा, 'बच्चे बड़े हो रहे हैं। उन्हें और जगह की जरूरत है।'

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोर्स के हवाले से बताया गया है कि रेनोवेशन का काम बड़े पैमाने पर होगा। और इसमें कम से कम चार से पांच महीने लग सकते हैं। या फिर इससे ज्यादा का भी वक्त लिख सकता है। 'धर्मेंद्र हाउस' में उनकी जॉइंट फैमिली रहती है। बॉबी देओल अपनी पत्नी तान्या और बेटे आर्यमन-धरम देओल के साथ रहते हैं। सनी देओल भी अपने बेटों करण-राजवीर और पत्नी पूजा के साथ रहते हैं। मां प्रकाश कौर भी अपनी ननद और भतीजी के साथ रहती हैं।

तान्या देओल ने किया है बंगले का इंटीरियर

बॉबी देओल ने 'कर्ली टेल्स' को दिए इंटरव्यू में बताया था कि इस आशियाने का उनकी पत्नी तान्या ने इंटीरियर किया था। इसे लकड़ी के फर्नीचर, भारतीय कलाकृतियों और फैमिली फोटोज से सजाया गया है। साथ ही बाहर एक बड़ा गार्डन है। इसके बंगले के दरवाजे कई बार फैंस के लिए खोले गए हैं। अभिनेताओं का जन्मदिन हो या फिर कोई खास पल, चाहनेवालों की भारी भीड़ बाहर मौजूद रहती है। एक्टर के निधन के बाद यहीं पर प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ था और इस मौके पर भी लोगों का हुजूम देखने को मिला था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564